हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 03, अंकः-346, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.

लखनऊ, मंगलवार 02 जून 2026

कान्हा गौशाला में अव्यवस्थाओं पर भड़के देवेंद्र तिवारी, 50 ...02

असम के कामरूप जिले में मानव-हाथी संघर्ष पर विशेष...06

भारत में जी एंटरटेनमेंट पर दिखेगा फीफा वर्ल्ड कप

कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 53.50 रुपए तक महंगा

मई में 1.94 लाख करोड़ जीएसटी कलेक्शन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा,

घर के काम में सहयोग करते हुए भी अच्छे अंक ला रही हैं छात्राएं, छात्र उनसे प्रेरणा लें

नौ साल पहले नकल से होती थी परीक्षा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज से नौ साल पहले ये कार्यक्रम नहीं हो सकता था। नकल से परीक्षा होती थी। मेरिट, डी मेरिट का पता नहीं। हमने नकल विहीन परीक्षा कराई। परीक्षा छात्र को परेशान करने का माध्यम नहीं होना चाहिए। आत्मविश्वास पैदा करने का भाव पैदा करे। उसका पसीना छुड़ाने के लिए पेपर न बने। परेशान न करे। शिक्षक को पता होता है कि उसका उत्तर क्या होता है। प्रश्न ऐसा हो कि छात्र थोड़े प्रयास से उसे हल कर सके। उसको हतोत्साहित न करे। परीक्षा प्रोत्साहन का माध्यम बने। 9 साल पहले नकल होती थी। शिक्षक भर्ती नहीं करते थे। विद्यालय भी वैसे थे। अंत में ठेका होना है तो छात्र मेहनत क्यों करे। पंजाब, जम्मू कश्मीर के छात्र 2017 तक यूपी में परीक्षा देते थे। अब ऐसा नहीं है।

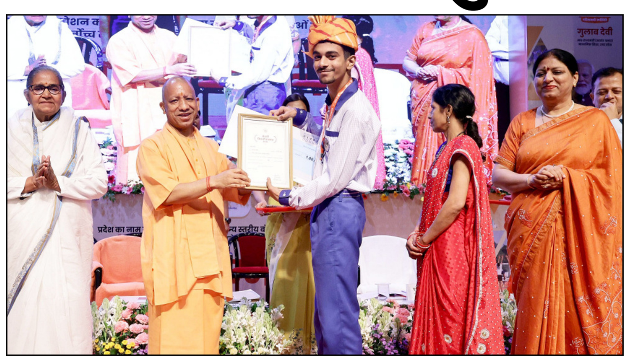

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में यूपी बोर्ड और संस्कृत शिक्षा परिषद के टॉप 10, सीबीएसई और आईसीएसई के सर्वोच्च 10-10 समेत कुल 223 राज्य स्तरीय मेधावियों को एक-एक लाख रुपये, एक-एक टैबलेट, प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया। सीएम ने समारोह में 11 विद्यालयों के प्रधानाचार्यों व शिक्षकों को भी शॉल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह कार्यक्रम इस बात का सबूत है कि परिश्रम का परिणाम हमेशा सुखद होता है। उन्होंने कहा कि जब परिणाम सूची देखते हैं तो हम पाते हैं कि छात्राएं जो कि घर के काम में हाथ बंटाती हैं वो मेरिट की सूची में अधिक स्थान प्राप्त कर रही हैं। छात्रों को छात्राओं से प्रेरणा लेनी चाहिए कि वो घर के काम में माता-पिता का सहयोग करती हैं और पढ़ाई में भी आगे रहती हैं। सीएम योगी ने कहा कि यहां 223 टॉप टेन विद्यार्थियों के साथ ही जिला स्तर पर टॉप टेन 1459 छात्रों को भी सम्मानित किया जा रहा है। यह इन विद्यार्थियों की उपलब्धि और जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव भी है। इस परिणाम में 223 में से छात्र 85, छात्राएं 138 है। छात्राएं मेरिट सूची में ज्यादा और छात्र कम आए हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद में हाईस्कूल में 115 विद्यार्थियों में 34 छात्र और 81 छात्राएं हैं। इंटर में 9 छात्र और 14 छात्राएं हैं। छात्राएं ज्यादा मेहनत कर लेती हैं। ज्यादा अंक पाने की सामर्थ्य रखती हैं। मां-पिता का सहयोग करते हुए। उन्होंने कहा कि लगता है कि अब लड़के झाडू पोंछा ज्यादा लगाने लगे हैं। मोहल्ले में भी काम करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि छात्र, छात्राओं से प्रेरणा लें कि वो कैसे घर के काम में सहयोग करते हुए अच्छे परीक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त कर रही हैं। इसके पहले कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने कहा कि आज कठिन प्रतिस्पर्धा में लाखों के बीच सर्वोच्च स्थान पाना चुनौती का काम है। आप ने रात दिन मेहनत कर इसे प्राप्त किया है। यह सम्मान समारोह ही नहीं जीवन को आगे बढ़ाने का उत्सव भी है। आपने निरंतर प्रयास कर अपना मार्ग प्रशस्त किया। प्रदेश का नाम रोशन किया है। जो लगन, मेहनत से लगे रहते हैं उनके लिए यह अवसर है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह आपका अंतिम पड़ाव नहीं, जीवन की शुरुआत है। जीवन में हमेशा चुनौतियां होंगी। वहीं, दूसरी ओर संकल्प का ध्यान रखें। जो बनना चाहते हैं उसकी तैयारी शुरू करें। संकल्प में कोई विकल्प नहीं होता है। बार बार लक्ष्य न बदले, डॉक्टर, वकील और शिक्षक बनाना है। नेता बनना है तो कुछ करना ही नहीं है। गुलाब देवी ने कहा कि अभिभावकों ने बच्चों की हर जरूरत पूरी की। चुनौती का भी सामना किया। छात्राओं के लिए रूढ़िवादी विचारों का सामना किया। वो समाज से लड़कर बच्चों को आगे बढ़ाते हैं। बच्चे आपके जीवन की धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति के समय लोगों के सामने बड़ी चुनौती है। मोबाइल अच्छी चीज है, इसमें पढ़ाई से जुड़ी चीजें हैं। अभिभावक देखें कि बच्चे इसका सही प्रयोग कर रहे हैं या नहीं। बच्चा हाईस्कूल में आ जाए तो उनके साथ मित्र की तरह व्यवहार करें तो बच्चा गलत भावना भी साझा करेगा और उसके कदम नहीं डगमगाएंगे।

आमजन की समस्याओं का समयबद्ध हो निस्तारण विलंब होने पर तय की जाए जवाबदेही: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' किया। उन्होंने प्रदेश भर से आए लोगों से मुलाकात की, उनके प्रार्थना पत्र लिए और उचित कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने सुना और संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं का निस्तारण समयसीमा के भीतर हो, विलंब होने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही भी तय की जाए। सीएम योगी ने कुछ बच्चों से शिक्षा के बारे में भी पूछा और अभिभावकों से कहा कि बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें।

आग लगने की घटना पर शिक्षा मंत्रालय का बड़ा बयान

आईटीओ के एसपीए परिसर में लगी थी आग, जनहानि या संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आईटीओ इलाके में स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) परिसर में शिक्षा मंत्रालय के कार्यालय की दूसरी मंजिल पर आग लग गयी। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि अग की घटना में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि दिल्ली दमकल सेवा को सुबह करीब 9.37 बजे आग लगने की सूचना मिली, इसके बाद आग पर काबू पाने के लिये विभाग ने आठ दमकल गाड़ियों को तत्काल मौके पर भेजा। उन्होंने बताया कि इमरत में लगी आग को बुझाने का काम जारी है। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। राष्ट्रीय राजधानी में शिक्षा मंत्रालय ने कुछ मीडिया रिपोर्टों में मंत्रालय के कार्यालय में आग लगने की खबरों को भ्रामक बताते हुए स्पष्टीकरण जारी किया है। शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को स्पष्टीकरण में कहा कि आग की घटना उसके कार्यालय में नहीं, बल्कि स्कूल ऑफप्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के परिसर में हुई थी। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्रालय का कार्यालय यहाँ कर्तव्य भवन में है, जबकि आग लगने की घटना एसपीए के परिसर में हुई, जो आईटीओ में स्थित है। शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकने के लिए यह स्पष्टीकरण जारी किया गया है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि एसपीए भवन में लगी आग मामूली प्रकृति की थी, जिस पर तत्काल काबू पा लिया गया। उन्होंने कहा कि घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि या संपत्ति के नुकसान की सूचना नहीं है। मंत्रालय ने मीडिया संस्थानों से तथ्यात्मक जानकारी के आधार पर ही समाचार प्रसारित करने की अपील की है।

शिक्षा को कारोबार बनाना सभी बुराइयों का आधार: राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) पर उसकी गलतियों के लिये छात्रों से शुल्क वसूली को लूट करार देते हुए कहा है कि जब शिक्षा को सेवा के बजाय कारोबार बना दिया जाता है तो उससे अनेक बुराइयां जन्म लेना शुरू कर देती हैं। श्री गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा, सीबीएसई की गलती से नंबर गलत आएं तो उसकी कीमत छात्रों को चुकानी पड़ती है। डिजिटल स्कैन कॉपी, री-टोटलिंग और री-इवैल्यूएशन के लिए अलग-अलग शुल्क देना पड़ता है। अपनी ही उत्तर पुस्तिका की सही जांच कराने के लिए एक छात्र को हजारों रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मूल्यांकन प्रक्रिया में त्रुटियों का बोझ छात्रों पर डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि गलती सीबीएसई करती है और इसकी सज़ा बच्चे को मिलती है और सरकार इससे कमाई करती है। कांग्रेस नेता ने कहा जब शिक्षा को सेवा नहीं बल्कि कारोबार बना दिया जाता है तो गलतियां सुधरने के बजाय व्यवस्था का हिस्सा बन जाती हैं और इसकी सबसे बड़ी कीमत बच्चों को अपने समय, आत्मविश्वास और भविष्य से चुकानी पड़ती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने गिनाईं स्वनिधि की उपलब्धियां

बिना गारंटी लोन से आत्मनिर्भर बने छोटे कारोबारी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि रेहड़ी-पटरी वालों की मदद के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री पथ विक्रेता आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना ने बिना गारंटी की ऋण सुविधा, वित्तीय समावेशन और विकास के नए अवसर उपलब्ध कराकर असंख्य रेहड़ी-पटरी वालों का जीवन बदला है। मोदी ने इस योजना के छह वर्ष पूरे होने पर यह भी कहा कि पीएम स्वनिधि भरोसे, गरिमा और सशक्तीकरण से जुड़ी योजना है। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्आज पीएम स्वनिधि के छह वर्ष पूरे हो गए। यह ऐसी योजना है, जिसने बिना गारंटी ऋण सुविधा, वित्तीय समावेशन और विकास के नए अवसर उपलब्ध कराकर असंख्य रेहड़ी-पटरी वालों का जीवन बदला है। यह योजना भरोसे, गरिमा और सशक्तीकरण से जुड़ी है। उन सभी लाभार्थियों को मेरी शुभकामनाएं, जिनका संकल्प और जिनकी उद्यमशीलता हमारे देश की अर्थव्यवस्था को लगातार मजबूत कर रही है। पीएम स्वनिधि केंद्र सरकार की योजना है जो रेहड़ी-पटरी लगाने वाले विक्रेताओं को किफायती कार्यशील पूंजी, वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा उपायों के माध्यम से सहायता प्रदान करती है। पीएम स्वनिधि को कोरोनावायरस महामारी के दौरान शुरू किया गया था ताकि उन रेहड़ी-पटरी लगाने वाले विक्रेताओं को किफायती कार्यशील पूंजी ऋण उपलब्ध कराया जा सके जिनके व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हुए थे। यह रेहड़ी-पटरी लगाने वाले विक्रेताओं के लिए पहली समर्पित सूक्ष्म-ऋण योजना है। इसका उद्देश्य उनके कारोबार को विकसित करने में मदद करना और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है। रेहड़ी-पटरी वाले असंगठित कार्यबल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उन्हें अक्सर औपचारिक ऋण सुविधा तक सीमित पहुंच मिलती है। यह योजना जून 2020 में शुरू की गई थी।

पेन-पेपर मोड में ही होगा नीट? ऑनलाइन परीक्षा की मांग पर कोर्ट का रुख साफ

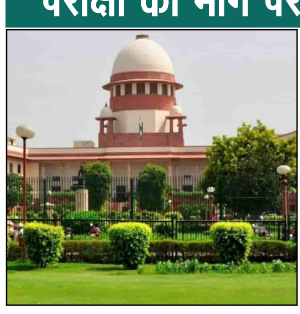

नयी दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 21 जून को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) 2026 पुनः परीक्षा कंप्यूटर के जरिये आयोजित कराने संबंधी याचिका को स्वीकार करने से सोमवार को इनकार कर दिया और कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) पहले से ही कई समस्याओं का सामना कर रही है। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने राजद सांसद सुधाकर सिंह और अन्य की याचिका को 27 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करते हुए नीट-यूजी को मौजूदा कलम-कागज पद्धति के बजाय कंप्यूटर के जरिये आयोजित करने का आदेश देने से इनकार कर दिया। एनटीए ने 12 मई को, प्रश्न पत्र लीक से जुड़े आरोपों के बीच मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए 3 मई को आयोजित नीट-यूजी को रद्द कर दिया था। फ़िलहाल इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है और 21 जून को फिर से परीक्षा होनी है। पीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वकील सत्यम सिंह राजपूत से कहा, कंप्यूटर के जरिये पुनः परीक्षा आयोजित कराने का कोई सवाल ही नहीं है। उनके (एनटीए) पास पहले से ही बहुत सारी समस्याएं हैं। परीक्षा रद्द कर दी गई थी, और अब इसे फिर से आयोजित किया जा रहा है। या तो हम इस याचिका को अभी, या छुट्टियों के बाद खारिज कर दें। शुरुआत में राजपूत ने कहा कि वे किसी अन्य अनुरोध पर जोर नहीं दे रहे हैं बल्कि यह केवल कंप्यूटर के जरिये पुनरू परीक्षा आयोजित करने से संबंधित है।

एमपी समेत 6 राज्यों में आंधी-बारिश, यूपी के 63 जिलों में अलर्ट

राजस्थान के 3 जिलों में ओले गिरे, देशभर में तापमान गिरा, हीटवेव खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के अधिकांश हिस्सों में बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। सोमवार को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और राजस्थान के कई इलाकों में बारिश हुई। वहीं झारखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा और पंजाब समेत 27 राज्यों में हल्की से तेज बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के मुताबिक देशभर में फिलहाल हीटवेव की स्थिति खत्म हो गई है। राजस्थान में सोमवार को कोटा समेत 6 जिले में बारिश हुई। वहीं अजमेर, नागौर और चित्तौड़गढ़ में ओले भी गिरे। मध्य प्रदेश के भी 4 जिलों में आंधी-बारिश का दौर जारी है। यूपी के झांसी और ललितपुर में तेज बारिश हुई। संभल में धूलभरी आंधी से 50 से ज्यादा पेड़ और बिजली के पोल गिर गए। देवरिया में बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। राज्य के 63 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। वहीं बिहार के सासाराम में दोपहर बाद तेज बारिश हुई। उत्तराखंड के नैनीताल समेत 6 जिलों में बारिश हुई। खराब मौसम के कारण पिथौरागढ़ में 12वीं तक के सभी स्कूल बंद रहे। केदारनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रोक दी गई। वहीं चंपावत में उफनती नदी में फंसे 50 से अधिक श्रद्धालुओं को सुरक्षित बचाया गया। हाल ही में दिल्ली के हौज खास इलाके में पूर्व आईएएस अधिकारी धनेंद्र कुमार के घर में एसी ब्लास्ट के बाद भीषण आग लग गई। इस हादसे में उनकी मौत हो गई। इससे पहले दिल्ली के विवेक विहार में एसी में आग लगने से 9 लोगों की जान गई थी। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर एसी में आग क्यों लगती है। राजस्थान के जैसलमेर में रविवार शाम को फिर से रेतीला बवंडर उठा। इससे दिन में अंधेरा छा गया। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आसमान में दूर से ही धूल का गुबार उठता दिखाई दिया, जो धीरे-धीरे आगे बढ़ा। इससे पहले शनिवार दोपहर 3 बजे राजस्थान के 5 जिलों श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर में रेतीला तूफान आया था। इसका असर करीब 200 वर्ग किलोमीटर के इलाके में रहा। रेतीले तूफान की शुरुआत हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर से हुई थी। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून 4 जून तक केरलम पहुंच सकता है। हालांकि विभाग ने इस साल मानसून के सामान्य से कमजोर रहने का अनुमान भी जताया है। आईएमडी के मुताबिक जून से सितंबर तक देश में औसतन सामान्य से कम बारिश हो सकती है। इस बार मानसून सीजन में 78 सेंटीमीटर बारिश होने का अनुमान है। देश में सामान्य मानसूनी बारिश का औसत 87 सेंटीमीटर माना जाता है। मौसम विभाग ने कहा कि बिहार, यूपी में सामान्य बारिश हो सकती है, लेकिन बाकी कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की आशंका है। खासकर बारिश पर निर्भर खेती वाले इलाकों में मानसून कमजोर रह सकता है।

राज्यसभा की चार और विधान परिषद की सात सीटों के लिए तारीखों का एलान

18 जून को होगा मतदान

नयी दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक से राज्यसभा की चार सीटों और विधान परिषद (एमएलसी) की सात सीटों के लिए चुनाव प्रक्रिया सोमवार को शुरू हो गई। चुनाव आयोग ने अधिसूचना जारी कर दी है, जबकि मतदान 18 जून को राज्य विधानसभा परिसर स्थित विधान सौधा में कराया जाएगा। इन चुनावों में कर्नाटक विधानसभा के सदस्य अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। राज्यसभा चुनाव भाजपा के इरन्ना कडाडी और नारायण कोरगप्पा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा का कार्यकाल 25 जून को समाप्त होने के कारण कराए जा रहे हैं। वहीं, विधान परिषद की सात सीटों पर चुनाव उन सदस्यों का कार्यकाल 30 जून को खत्म होने के चलते हो रहा है, जो विधायकों द्वारा निर्वाचित हुए थे। इनमें कांग्रेस के गोविंद राजू, नसीर अहमद, टिप्पन्नप्पा और बीके हरिप्रसाद के अलावा भाजपा के एन नागराज (एमटीबी), प्रताप सिम्हा नायक और सुनील वाल्यापुर शामिल हैं। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 8 जून है। नामांकन पत्रों की जांच 9 जून को होगी, जबकि उम्मीदवार 11 जून तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। मतदान और मतगणना दोनों 18 जून को संपन्न होंगे।

पश्चिम बंगाल में कैबिनेट विस्तार, 35 मंत्रियों ने शपथ ली, अर्जुन सिंह, तपस रॉय मंत्री बने

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की शुभेन्दु अधिकारी सरकार ने सत्ता संभालने के एक महीने के भीतर सोमवार को अपना पहला बड़ा कैबिनेट विस्तार किया। इसमें 35 नये मंत्रियों को शामिल किया गया है और इसके साथ ही मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी समेत कुल मंत्रियों की संख्या 41 हो गयी है। इससे पहले मुख्यमंत्री के साथ पांच अन्य मंत्रियों ने शपथ ली थी। शपथ ग्रहण समारोह लोक भवन में आयोजित किया गया था, जहां राज्यपाल आर. एन. रवि ने नये मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। आज शपथ लेने वालों में 13 कैबिनेट मंत्री, 19 राज्य मंत्री और तीन स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री शामिल हैं। शपथ लेने वालों में श्री तापस रॉय (मानिकतला), श्री दीपक बर्मन (फालाकाटा), श्री जगन्नाथ चट्टोपाध्याय (सूरी), श्री शरद्वत मुखोपाध्याय (राजारहाट-न्यू टाउन), श्री स्वपन दासगुप्ता (रासबिहारी), श्री सजल घोष (बारानगर), श्री शंकर घोष (सिलीगुड़ी), श्री अर्जुन सिंह (नोआपारा), श्री अशोक डिंडा (मयना), श्री इंद्रनील खान (बेहाला पश्चिम), सुश्री मालती रावा रॉय (तूफानगंज) और श्री राजेश महतो (गोपीबल्लभपुर) के साथ कई अन्य विधायक शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट को मिले 5 नए जज, नियुक्ति पर राष्ट्रपति ने लगाई मुहर, नोटिफिकेशन जारी

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय में सोमवार को पांच नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई और इसी के साथ शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 37 हो जाएगी। यह संख्या बढ़ाई गई स्वीकृत संख्या 38 से एक कम है। केंद्रीय विधि मंत्रालय के न्याय विभाग द्वारा सोमवार सुबह जारी अलग-अलग अधिसूचनाओं के अनुसार, उच्चतम न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकिता सुब्रमणि मोहना, बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण पल्ली को शीर्ष अदालत का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। उनके शपथ लेने और पदभार ग्रहण करने के बाद उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या औपचारिक रूप से 37 हो जाएगी। सरकार ने पिछले महीने एक कानून में संशोधन के लिए अध्यादेश जारी किया था

अमेरिका ने ईरान की रडार-ड्रोन कंट्रोल साइट्स पर हमला किया, ईरानी राष्ट्रपति के इस्तीफे का दावा

ईरान ने जवाबी हमले में एयरबेस को निशाना बनाया

तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिका ने कहा कि हमने ईरान के गोरुक और केश्म आइलैंड पर रडार और ड्रोन कंट्रोल साइट्स को निशाना बनाया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया है कि यह कार्रवाई ईरान की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की गई। अमेरिका ने आरोप लगाया कि ईरान ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक अमेरिकी एमक्यु1 ड्रोन को गिराया था। अमेरिकी सेना ने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और दो ड्रोन को तबाह कर दिया।

दूसरी तरफ, ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि हमने उस एयरबेस को निशाना बनाया, जिसका इस्तेमाल सीरिक आइलैंड के पास अमेरिकी ऑपरेशन में हुआ था। वहीं, ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट में दावा किया गया कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पजशकियान ने आरोप लगाया कि देश की सत्ता पर अब पूरी तरह आईआरजीसी के कमांडरों का कंट्रोल है।

हिन्दी दैनिक तीसरा विकल्प न्यूज़ लखनऊ से प्रकाशित

मंगलवार, 02 जून, 2026

कान्हा गौशाला में अव्यवस्थाओं पर भड़के देवेंद्र तिवारी, 50 लाख के गोबर प्लांट पर उठाए सवाल

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

रायबरेली। आदर्श नगर, डलमऊ स्थित कान्हा गौशाला का निरीक्षण करने पहुंचे भारतीय किसान मंच एवं भारतीय गौ सेवा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने गौशाला की व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान उन्हें गौशाला में कई प्रकार की अव्यवस्थाएं और कमियां देखने को मिलीं, जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल फोन कर स्थिति से अवगत कराया और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई। निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने गौशाला परिसर में हाल ही में लगाए गए गोबर प्लांट का भी जायजा लिया। प्लांट की स्थिति देखकर उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्लांट ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो वर्षों से खराब और जर्जर हालत में पड़ा हो। जबकि प्राप्त जानकारी के अनुसार इस गोबर प्लांट की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आवंटित धनराशि में से लगभग 50 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। श्री तिवारी ने आरोप लगाया कि सरकारी धन का खुलेआम दुरुपयोग किया जा रहा है और गौ माता के नाम पर भ्रष्टाचार होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है। उन्होंने कहा कि यदि इतनी बड़ी धनराशि खर्च होने के बावजूद प्लांट की यह स्थिति है तो निश्चित रूप से कहीं न कहीं गंभीर अनियमितताएं हुई हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गौशालाओं के नाम पर जनता और सरकार की भावनाओं के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इस पूरे मामले को वह माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा माननीय उच्च न्यायालय तक पहुंचाएंगे ताकि दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि जिन लोगों ने सरकारी धन का बंदरबांट कर इस परियोजना को बदहाल स्थिति में पहुंचाया है, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि गौ सेवा के नाम पर किसी भी प्रकार की लापरवाही या भ्रष्टाचार को सहन नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने भी गौशाला की व्यवस्थाओं को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की और जल्द सुधार की मांग की। इस मौके पर कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं गौसेवक भी मौजूद रहे।

किशोर भारती प्रशिक्षण वर्ग भोपाल महानगर समापन समारोह सर्वोदय सामाजिक संस्था द्वारा सकोरे वितरण के साथ संपन्न हुआ।

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

भोपाल। किशोर भारती प्रशिक्षण वर्ग वनवासी कन्या छात्रावास भोपाल महानगर नवीन सत्र की तैयारी एवं प्रशिक्षण वर्ग 30 मई से 31 मई दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न हुआ.कार्यकर्ता विकास,कार्यकर्ता निर्माण, कार्यकर्ता का सर्वांगीण विकास,बस्तियों की समस्याओं का समाधान एवं हमारे संगठन कार्य विस्तार हेतु इस प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से सेवा कार्य को गति प्रदान करने प्रशिक्षण की आवश्यकता नवाचार हेतु यह प्रशिक्षण वर्ग भोपाल महानगर 1100 क्वार्टर हनुमान मंदिर के सामने छात्रावास में संपन्न हुआ जो कि 30मई शाम 6:00 बजे एकत्रीकरण से प्रारंभ होकर द्वितीय दिवस शाम 5:00 तक समापन सत्र एवं 5 सत्रों और एक कार्यशाला के रूप में सम्पन्न हुआ.कार्यशाला में अपेक्षित कार्यकर्ता 13 वर्ष से 18 वर्ष की उम्र के किशोर युवा शामिल हुए महानगर की सभी बस्तीयों से आये किशोर युवाओं की सख्या 68 रही.वर्ग में देशभक्ति गीत वन्देमातरम गीत महापुरुषों की कहानी से ओतप्रोत बोद्धिक भी हुए.मुख्य अतिथि माननीय शिव मंगल जी अध्यक्ष, महानगर सेवा भारती विशेष अतिथि - माननीय हरभजन शिवहरे जी प्रांतीय सदस्य सेवा भारती,माननीय करण कौशिक जी विभाग संयोजक सेवा भारती माननीय शरद भार्गव जी संभाग अध्यक्ष,भोपाल सर्वोदय सामाजिक संस्था श्री सत्येंद्र साहू जी उपाध्यक्ष सेवा भारती साकेत मंडल संयोजक श्री एस. के. मेहरा जी आयोजक सर्वोदय सामाजिक संस्था (रजि.)की विशेष उपस्थिति रही.सभी धर्मप्रेमी,समाजसेवी एवं पर्यावरण प्रेमी बंधुओं की उपस्थिति रही.सर्वोदय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष माननीय श्री पंकज जैन जी के विशेष सहयोग से प्राणी सेवा,पर्यावरण संरक्षण एवं अहिंसा के इस जन-जागरण अभियान में अहिंसा महामहोत्सव 2026सकोरे वितरण एवं प्राणी सेवा जागरूकता अभियान भव्य समापन समारोह सर्वोदय सामाजिक संस्था (रजि.) द्वारा आयोजित अहिंसा महामहोत्सव 2026 का समापन सकोरे वितरण एवं प्राणी सेवा जागरूकता अभियान के साथ संपन्न हुआ।पूर्ण कालिक रत्नेश जी भाईसाहब ने सफल संचालन किया. पूर्ण कालिक दीदी सीमा हजारे जी की भी उपस्थिति रही।

नाबालिग बेटियों की जबरन शादी कराने के आरोप में 5 गिरफ्तार, चोलापुर पुलिस की कार्रवाई

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। थाना चोलापुर पुलिस ने नाबालिग बेटियों की उनकी इछा के विरुद्ध शादी कराने और संबंधित मामले में दर्ज मुकदमे के तहत तीन पुरुष एवं दो महिलाओं समेत कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को रविवार को दानगंज मार्ग स्थित ग्राम रामपुर खुटहाँ और नवापुरा के पास से हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, मु0अ0सं0 212/2026 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 87, 115(2) एवं 61(2)(इ) के तहत कार्रवाई की गई है। यह मुकदमा बबियांव निवासी नीरज राजभर की तहरीर पर दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उसकी बहन को विवाद कराने के उद्देश्य से बहला-फुसलाकर मेरठ ले जाया गया तथा उसके साथ मारपीट की गई। जांच के दौरान पुलिस ने राजकुमार राजभर (43), आजाद (39), सुमित पाल (27), मनशक्ति देवी (44) तथा अनीता (30) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि पैसों के लालच में परिवार के अन्य सदस्यों और रिश्तेदारों की सहमति के बिना दो बेटियों की शादी करा दी गई थी। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए न्यायालय में विस्तृत बयान देने की बात कही है। पुलिस ने बताया कि मामले की विवेचना उपनिरीक्षक अनिल कुमार द्वारा की जा रही है तथा गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक अनिल कुमार, उपनिरीक्षक चन्द्रभूषण, महिला उपनिरीक्षक स्वाती पाण्डेय, महिला उपनिरीक्षक संध्या जायसवाल, कांस्टेबल अवधेश यादव, गोवर्धन प्रसाद, संतोष कुमार एवं अंगद की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नेपाल के 25 स्टार्टअप्स को भारत से मिलेगी वर्ल्ड-क्लास ट्रेनिंग

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

चेन्नई। इंडिया नेपाल स्टार्टअप पार्टनरशिप नेटवर्क (इन-स्पेन) के दूसरे बैच की शुरुआत हो गई है, जिसमें नेपाल के 25 स्टार्टअप्स का चयन किया गया है। यह कार्यक्रम काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास और आईआईटी मद्रास प्रवर्तक के संयुक्त सहयोग से शुरू किया गया है। दोनों पड़ोसी मित्र देशों के बीच ये एक अनूठी सीमा-पार उद्यमिता पहल है, जो नेपाल के उभरते युवा उद्यमियों, इनोवेटर्स और शोधकर्ताओं को भारत के मजबूत तकनीकी और स्टार्टअप इकोसिस्टम से जोड़ती है। यह 1 जून से 31 जुलाई 2026 तक चलने वाला कार्यक्रम है, जो भारत के चेन्नई स्थित आईआईटी मद्रास के आईआईटीएम प्रवर्तक कैंपस में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए, नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने पहल की सराहना की और नेपाल के युवाओं को एडवान्स्ड भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। नेपाल स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा ये स्टार्टअप एआई, बायोटेक, क्लीनटेक, फिनटेक, हेल्थटेक, एग्रीटेक, ई-कॉमर्स, मोबिलिटी, मैन्युफैक्चरिंग और कंस्ट्रक्शन टेक, एफएमसीजी, एयरोस्पेस, आईओटी और सास जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं। दूतावास ने आगे लिखा कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए, राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने इस विविध समूह की सराहना की और उन्हें भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। अगले 8 हफ्तों के दौरान, ये 25 स्टार्टअप एक गहन उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम, एआई कौशल विकास, निवेश के लिए प्रस्तुतीकरण और अपने-अपने क्षेत्रों में भारतीय स्टार्टअप्स के साथ नेटवर्किंग/इंटर्नशिप के दौर से गुजरेंगे। पहले बैच की भारी सफलता को देखते हुए इस दूसरे बैच को जल्द ही शुरू किया गया है। प्रथम बैच के 24 स्टार्टअप्स में से 9 नेपाली स्टार्टअप्स को आईआईटी मद्रास इनक्यूबेशन सेल की तरफ से सीधे इनक्यूबेशन और निवेश के प्रस्ताव मिले थे, जिसकी वैश्विक पोर्टफोलियो वैल्यूएशन 6 अरब डॉलर से अधिक है। अब दूसरे बैच के पास भी ऐसा ही सुनहरा मौका होगा और प्रतिभागियों को उद्योग जगत के दिग्गजों से सीधा मार्गदर्शन, केस स्टडीज और व्यावहारिक सीख मिलेगी। बता दें कि भारत अपनी 'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नेपाल की निरंतर मदद करता रहता है। पिछले सप्ताह ही भारत सरकार के अनुदान के तहत नेपाल में 14 स्कूलों के निर्माण के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसके अलावा पिछले हफ्ते नेपाल के मनांग में भारत की वित्तीय सहायता से बनने वाले एक अस्पताल भवन का शिलान्यास किया गया था।

भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता आज से लागू, किसानों-श्रमिकों और एमएसएमई को मिलेगा बड़ा लाभ।

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

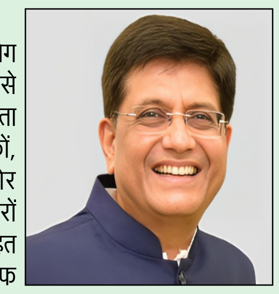

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिय एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 1 जून से लागू भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता (सीईपीए) भारतीय किसानों, श्रमिकों, कारीगरों, महिलाओं, मछुआरों और एमएसएमई के लिए खाड़ी देशों के बाजारों में नए अवसर खोलेगा। समझौते के तहत भारत को ओमान में 98 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर 100 प्रतिशत शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच मिलेगी, जिससे वस्त्र, चमड़ा, रत्न-आभूषण, समुद्री उत्पाद, इंजीनियरिंग और फार्मा क्षेत्र को बड़ा लाभ होगा। गोयल ने कहा कि यह समझौता रोजगार सृजन, निर्यात वृद्धि और भारतीय उत्पादों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही भारतीय पेशेवरों और श्रमिकों के लिए ओमान में बेहतर रोजगार एवं आवागमन के अवसर भी उपलब्ध होंगे। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत और वैश्विक आर्थिक साझेदारी के विजन की महत्वपूर्ण उपलब्धि

प्राचीन काली माता मंदिर में भव्य भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। पाण्डेयपुर स्थित प्राचीन काली माता मंदिर में दिव्य उत्सव के उपलक्ष्य में जूही महिला कल्याण समिति द्वारा रविवार को भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने माता काली के दरबार में उपस्थित होकर पूजा-अर्चना की तथा प्रसाद ग्रहण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। भंडारे के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने व्यवस्था संभालते हुए आगंतुकों का स्वागत किया तथा प्रसाद वितरण कराया। आयोजन का उद्देश्य धार्मिक एवं सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना तथा जनसहभागिता के माध्यम से समाज सेवा की भावना को सशक्त करना रहा। इस अवसर पर जूही महिला कल्याण समिति की अध्यक्ष जूही मिश्रा ने सभी श्रद्धालुओं, सहयोगियों एवं क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के उपाध्यक्ष संजय मिश्रा, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष ममता दुबे, सचिव विनय मिश्रा, उप सचिव श्री राम जी, कार्यकारिणी अध्यक्ष सुशील दुबे तथा जिला प्रभारी प्रदीप यादव सहित अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा। समिति पदाधिकारियों ने भविष्य में भी इसी प्रकार धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प व्यक्त किया।

प्रथम विश्व योगासन प्रतियोगिता में योगी ज्वाला एवं अश्वनी पाण्डेय हुए चयनित।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। देश में पहली बार वर्ल्ड योगासना की ओर से दिनांक चार से आठ जून तक गुजरात के अहमदाबाद इका एरिना स्टेडियम में आयोजित होने वाले प्रथम विश्व योगासन प्रतियोगिता में संपूर्ण विश्व से लगभग 60 ज्यादा देशों के हजारों योगासन खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। जिसमें भारत के साथ विभिन्न देशों के टेक्निकल ऑफिशियल , निर्णायक और अतिथियों का शुभागमन होने जा रहा है इस प्रतियोगिता में मिर्जापुर जनपद का गौरव बढ़ाते हुए जाने माने राष्ट्रीय योगासन जज योग गुरु योगी ज्वाला सिंह एवम् अश्विनी कुमार पाण्डेय जी का (एलडीओ) लाइजनिंग डेवलपमेंट ऑफिसर के रूप में चयन किया गया है , जो की प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अलग अलग देशों से आये हुए योगासन खिलाड़ियों एवं कोच का ट्रेनिंग एवं मार्गदर्शन करेंगे। इस प्रतियोगिता मे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , गृह मंत्री माननीय अमित शाह जी , योग ऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज खेल मंत्री मनसुख मांडविया के साथ साथ देश विदेश के जाने माने हस्तियां विश्व योगासन प्रतियोगिता में खेल एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे। इस अवसर पर वर्ल्ड योगासना एवं योगासना भारत के महासचिव डॉ जयदीप आर्य के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में सम्पूर्ण प्रतियोगिता का भव्य एवं सुंदर आयोजन सुनिश्चित हुआ है। महासचिव डॉ जयदीप आर्य एवं उत्तर प्रदेश योगासन स्पोर्ट एसोसिएशन के सचिव रोहित कौशिक जी ने चयनित सभी एलडीओ को अपनी शुभकामनाएं दी।

ईंट निर्माता एसोसिएशन वाराणसी का प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश प्रदूषण बोर्ड के चेयरमैन आर पी सिंह का स्वागत करते हुए जताया आभार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। ईंट निर्माता एसोसिएशन वाराणसी के सभी पदाधिकारी प्रदूषण कन्ट्रोल बोर्ड के चेयरमैन आर पी सिंह से मिला व उनका आभार व्यक्त किया। प्रदेश में 2012 के बाद से प्रदूषण लाइसेन्स पर लगी रोक को एसोसिएसन की मांग पर चेयरमैन ने सज्ञान लिया व उनकी मांगो को पूरा कराकर लाइसेन्स बनावाने की समस्त बाधाओं को दूर कराया जायेगा जिसका ईंट निर्माता एसोसिएशन आभारी है। ईंट निर्माता एसोसिएशन के अध्यक्ष हरिशंकर सिंह मुन्ना ने बताया की हमलोग पहली बार लखनऊ में प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के चेयरमैंन आर पी सिंह के आवास पर 11 मार्च 2025 को मुलाक़ात किये थे। ईंट निर्माता एसोसिएशन वाराणसी ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा संचालित सीटीओ योजना के अंतर्गत ईंट भट्ठा संचालकों की समस्याओं को लेकर आवाज बुलंद की है 7 जनपद के अनेक ईंट भट्ठों का प्रदूषण लाइसेंस वर्ष 2012 के बाद से बनना बंद हो गया था जिससे ईंट भट्ठा संचालकों को विभिन्न प्रशासनिक एवं व्यावसायिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था 7 ईंट निर्माता एसोसिएशन के प्रयास से 11 मार्च 2025 को वन मंत्री स्वतंत्र प्रभार अरुण सक्सेना व उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन आर पी सिंह से मिलकर प्रदूषण का लाइसेंस बनवाने के लिए मांग उठाई 7 इसी कड़ी में एसोसिएशन की मांग राय सरकार के द्वारा 2026 में पुरी की गयी

व प्रदूषण का लाइसेंस बनवाने के लिए सरकार ने अनुमति दिया। एसोसिएशन के लोगो को ज़ब यह पता चला की प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के चेयरमैन आर पी सिंह विभागीय कार्य से वाराणसी आये हुए है तो एसोसिएशन के अध्यक्ष हरीशंकर सिंह मुन्ना ने दूरभाष से सम्पर्क कर ईंट निर्माता एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों के साथ मिलकर कैंटोनमेन्ट क्षेत्र स्थित होटल रामाडा में उनका भव्य स्वागत करते हुए प्रदूषण का लाइसेंस दिलाने में उनकी मदद को काफ़ी सराहनीय कहा। ईंट निर्माता एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि ईंट उद्योग क्षेत्र के हजारों श्रमिकों एवं उनके परिवारों की आजीविका का प्रमुख साधन है ऐसे में लाइसेंस नवीनीकरण की समस्या का समाधान होने से उद्योग को नई गति मिलेगी और रोजगार के अवसर भी सुरक्षित रहेंगे 7 एसोसिएशन ने उम्मीद जताई है कि जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल करते हुए शीघ्र समाधान सुनिश्चित करेंगे। उक्त अवसर पर बैठक में आरओ रोहित शर्मा व प्रदूषण बोर्ड के पदाधिकारीगण शामिल रहे 7 एसोसिएशन के अध्यक्ष हरिशंकर सिंह मुन्ना,रोशन सिंह,अजीत सिंह (हरिओम),उमेश यादव,विकास सिंह,पंकज सिंह,राहुल सिंह,बाबू सिंह, प्रवीण सिंह,अमित सिंह,रमाशंकर सिंह, रिंकू पाण्डेय,शशांक शेखर,पंकज सिंह, अखिलेश सिंह,आनन्द सिंह,धीरज सिंह, विपिन सिंह,चंदन सिंह,सुनील यादव, राहुल यादव,कोमल सिंह,रामजनम यादव,आनन्द कुमार पाण्डेय,संजय कुमार यादव (शिव शक्ति ईंट भट्ठा),उमेश पटेल (प्रिंस मार्का ईंट उद्योग नेहिया) सहित इत्यादि काफ़ी संख्या में एसोसिएशन के पदाधिकारीगण शामिल रहे।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद के मंडल अध्यक्ष बने विवेक चौबे।

लव जिहाद, अवैध धर्मांतरण व हिंदू समाज की सुरक्षा को लेकर चलाया जाएगा जनजागरण अभियान।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। सनातन संस्कृति की रक्षा और हिंदू समाज के हितों के लिए कार्यरत विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने संगठन का विस्तार करते हुए विवेक चौबे को मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन के शीर्ष नेतृत्व की संस्तुति पर उनकी संगठनात्मक क्षमता एवं सामाजिक सक्रियता को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई। नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष विवेक चौबे ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पद उनके लिए सम्मान के साथ-साथ समाज और राष्ट्र की सेवा का दायित्व भी है। उन्होंने कहा कि परिषद का प्रत्येक कार्यकर्ता हिंदू समाज को जागरूक करने तथा सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाएगा। बैठक में संगठन की आगामी कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए लव जिहाद, अवैध धर्मांतरण तथा हिंदू समाज की सुरक्षा और स्वाभिमान से जुड़े मुद्दों पर व्यापक जनजागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज में जागरूकता बढ़ाने और संगठन को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर पर अभियान संचालित किए जाएंगे। इस अवसर पर परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय के नेतृत्व में चल रहे विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक अभियानों का भी उल्लेख किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों ने संगठन की विचारधारा और उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में कृष्णा पाण्डेय, राजेश मौर्य, ओ.पी. कश्यप, प्रवीश पांडेय, अंकुर राय, शाहिद अख्तर, ओम प्रकाश, शुभम पटेल, प्रहलाद मौर्य, विकास, आयुष, दशरथ सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं मातृशक्ति उपस्थित रही। सभी ने नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष का स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने न्यायपूर्ण सुशासन स्थापित किया, उनका योगदान सदैव जीवंत रहेगा- डॉ अनिल जय हिंद।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के तत्वधान में आज इंदिरा भवन में आयोजित लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि और विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में नेताओं ने उनके सुशासन, समाज सेवा, और देश के सांस्कृतिक एवं धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान की चर्चा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिशन मैन डॉ अनिल जय हिंद ने संबोधित करते हुए कहा लोकमाता महारानी अहिल्याबाई होलकर 卐धनगड, पाल, और बघेल समाज की वीरांगना卐 थी। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने हमेशा गरीबों, दलितों और पिछड़ों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया तथा उनके शासनकाल में मानवता और सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता थी। अहिल्याबाई होल्कर ने समाज के वंचित, पिछड़े और दलित वर्गों के उत्थान के लिए हमेशा साहसिक कदम उठाए। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने शोषित वर्गों के हक की लड़ाई

प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन की 27वीं कार्यकारिणी की शपथ ग्रहण,अधिवेशन एवं सम्मान समारोह

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

हरिद्वार। प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन की 27वीं वर्षगांठ पर अधिवेशन, कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह का आयोजन आर्य वानप्रस्त आश्रम वालापुर, हरिद्वार में आयोजित किया गया,जिसकी अध्यक्षता सरोजनी सेवांग ने किया ।

मुख्य अतिथि मा.कैबिनेट मंत्री पंचायत राज उत्तराखंड मदन कौशिक थे। संयोजक विकाश शर्मा थे।पेजा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश चंद्र कुशवाहा,प्रदेश अध्यक्ष सुनील त्रिपाठी की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर उत्तराखंड,उत्तर प्रदेश,हरियाणा एवं अन्य प्रदेशों से आए पत्रकारों ने प्रतिभाग किया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा शपथ ग्रहण के उपरांत सभी पत्रकारों ,अतिथियों ने अधिवेशन में अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि द्वारा मंचीय अतिथियों, पुष्पा देवी, राजेश कुमार गुप्ता, डॉक्टर सत्येंद्र शर्मा,आलोक भारद्वाज, ममता सिंह, राम राज भारती, महेश दत्त, उर्वशी, वर्तिका सक्सेना,धनंजय कुमार वाजपेई, संजीव पुरोहित, सुनील शर्मा, पुराण चंद्र सैनी,परसुराम राजपूत, जी.पी. दीक्षित,शौर्य त्रिपाठी, प्रदीप मिश्र,शारिक उस्मानी,यश राजपूत,आलम हुसैन,उबैद इकबाल,नुसरत खान,मुकेश वर्मा आदि को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया।

संस्कार भारती एवं महेश्वर साधना ललित कला केंद्र के तत्वावधान में कथक कार्यशाला का शुभारंभ

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। भारतीय संस्कृति, कला एवं संस्कारों के संवर्धन हेतु संस्कार भारती, मिर्जापुर एवं महेश्वर साधना ललित कला प्रशिक्षण केंद्र, विंध्याचल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कथक नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ रविवार को प्लेवे स्कूल परिसर, बल्ली का अड्डा मिर्जापुर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री माननीय सोहनलाल श्रीमाली रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में रोटरी क्लब एलिट की सचिव श्रीमती वीणा खंडेवाला जी, संस्कार भारती के वरिष्ठ कार्यकर्ता दिनेश्वर पति त्रिपाठी, संस्कार भारती मिर्जापुर की जिला अध्यक्ष पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव जी तथा संस्कार भारती काशी प्रांत के अध्यक्ष डॉ. गणेश प्रसाद अवस्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन के साथ हुआ। तत्पश्चात कथक नृत्य प्रशिक्षक मनीष कुमार शर्मा ने अपनी आकर्षक एवं भावपूर्ण कथक प्रस्तुति से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति को उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों ने खूब सराहा। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि सोहनलाल श्रीमाली ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय कलाएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। नई पीढ़ी को इन कलाओं से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने संस्कार भारती द्वारा आयोजित इस प्रकार की कार्यशालाओं की सराहना करते हुए प्रतिभागियों को शुभकामनाएं प्रदान कीं। विशिष्ट अतिथि वीणा खंडेवाला ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में कला एवं संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान है। वहीं पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव जी ने संस्कार भारती की सांस्कृतिक गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए अधिकाधिक युवाओं को भारतीय कला से जुड़ने का आह्वान किया। डॉ. गणेश प्रसाद अवस्थी ने भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में संस्कार भारती की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया तथा कार्यशाला की सफलता की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन सोमेश्वर पति त्रिपाठी ने किया। सहसंयोजक शालू वर्मा ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रखा गौड़,मोनिका सिंह,संदीप महादेव, राकेश वर्मा, रामधनी पाल, रामलाल, सनी, दीपक त्रिपाठी, डॉ. संदीप श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार अग्रहरी, रमेश बाबू गुप्ता, आशु सोनी घनश्याम दास शर्मा अभिषेक शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं कला प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यशाला आगामी 14 जून 2026 तक प्रतिदिन संचालित होगी, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों को कथक नृत्य का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

बसपा राष्ट्रीय महासचिव सतीश मिश्रा ने किए मां विंध्यवासिनी के दर्शन, बोले- 2027 चुनाव की तैयारी शुरू

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

विंध्याचल, मीरजापुर । बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश मिश्रा रविवार को विंध्याचल स्थित मां विंध्यवासिनी दरबार पहुंचे। मंदिर के बड़े श्रृंगारिया शिवजी मिश्रा व उनके छोटे भाई रत्न मोहन मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ उन्हें दर्शन-पूजन कराया। दर्शन के बाद पत्रकारों से बातचीत में सतीश मिश्रा ने कहा कि मां विंध्यवासिनी दरबार से उनके परिवार का पुराना लगाव रहा है। श्रृंगारिया मिश्रा परिवार से उनके पारिवारिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि मां भगवती के दरबार में दर्शन-पूजन से मन को प्रसन्नता मिलती है और अपनी संस्कृति-संस्कार की धरोहर की ध्वजा लहराती दिखती है। आगामी विधानसभा चुनाव पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि 2027 का चुनाव सर्व समाज के आशीर्वाद से लड़ा जाएगा। ब्राह्मणों का आशीर्वाद और संपूर्ण दलित समाज का सहयोग बहुजन समाज पार्टी को मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि 2027 के लिए पार्टी की तैयारी शुरू हो चुकी है। इस दौरान बड़े श्रृंगारिया शिवजी मिश्रा ने सतीश मिश्रा को रक्षा सूत्र बांधकर मां विंध्यवासिनी दरबार से आशीर्वाद दिया।

पांच लाख रुपये की दी गई थी सुपारी, मास्टरमाइंड समेत दो गिरफ्तार, जमीन विवाद में कराई थी प्रॉपर्टी कारोबारी संदीप सिंह की हत्या

➤ पुलिस के मुताबिक, दिनेश यादव का आपराधिक इतिहास काफी लंबा रहा है. लखनऊ अंबेडकर नगर और काकोरी में दिनेश यादव पर कुल 9 मुकदमे दर्ज हैं.

➤ प्रॉपर्टी कारोबारी संदीप सिंह को दिनदहाड़े 5 सेकेंड में मारी 3 गोली, अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। प्रॉपर्टी कारोबारी संदीप सिंह हत्याकांड मामले में एसटीएफ ने मास्टरमाइंड दिनेश कुमार यादव और उसके ड्राइवर मुरकबीन को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक, दिनेश ने प्रॉपर्टी कारोबारी संदीप सिंह की हत्या जमीनी विवाद को लेकर कराई थी. इसके लिए उसने अपने ड्राइवर मुरकबीन से कहा मुरकबीन ने दो शूटरों को पांच लाख रुपये की सुपारी दी थी. कारोबारी संदीप सिंह की दिनदहाड़े तीन गोलियां मारकर उनके ही ऑफिस के सामने हत्या कर दी गई थी. इस पूरे हत्याकांड का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था. जमीनी विवाद में प्रॉपर्टी कारोबारी की हत्या एसटीएफ के गिरफ्तार किया हत्यारोपियों से पूछताछ में पता चला कि प्रॉपर्टी की रंजिश के चलते दिनेश यादव ने ड्राइवर मुरकबीन के साथ मिलकर पार्टी कारोबारी संदीप सिंह की हत्या की साजिश रची थी. इसके लिए पांच लाख रुपये की सुपारी दी गई थी. दरअसल, दिनेश कुमार यादव और संदीप सिंह में संविदा की एक जमीन को लेकर विवाद था. इसी विवाद को लेकर संदीप सिंह ने दिनेश यादव के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया था और कई शिकायतें भी की थी. इन्हीं चीजों से आहत होकर दिनेश यादव संदीप सिंह को रास्ते से

आरोपी मुरकबीन

दिनेश यादव

हटाना चाहता था. रंजिश को लेकर दिनेश यादव ने ड्राइवर मुरकबीन के साथ मिलकर संदीप सिंह की हत्या की साजिश रची. इसके बाद उसने अपने ड्राइवर के जरिए बाहर के दो शूटर को प्रॉपर्टी कारोबारी संदीप सिंह की हत्या करने के लिए 5 लाख रुपये की सुपारी दी,दोनों शूटरों के लखनऊ में रुकने, रहने और खाने का इंतजाम दिनेश यादव के ड्राइवर मुरकबीन ने किया था. मुरकबीन ने अमीनाबाद से सेकंडहैंड अपाचे गाड़ी खरीदी और फर्जी नंबर प्लेट लगाकर शूटर्स को दे दी. शूटरों ने पहले प्रॉपर्टी कारोबारी संदीप सिंह की रेकी कर सारी जानकारी की फिर दोनों शूटरों ने अपने प्रॉपर्टी कारोबारी संदीप सिंह के आने-जाने के समय की रेकी की प्रॉपर्टी कारोबारी संदीप सिंह के प्रतिद्वंद्वी दिनेश यादव ने

पांच लाख में प्रॉपर्टी कारोबारी संदीप सिंह की तय हुई थी सुपारी: 27 मई को दोपहर शूटरों ने तय समय पर प्रॉपर्टी कारोबारी संदीप सिंह की हत्या कर दी, शूटरों ने हत्या के बाद दिनेश यादव और मुरकबीन को फोन कर इसकी जानकारी दी पुलिस वारदात में शामिल दोनों शूटरों की तलाश कर रही है,साथ ही शूटरों की व्यवस्था करने वाले मुरकबीन के साथी को भी खोजा जा रहा है।

शूटर्स को 27 तारीख को घटना को अंजाम देने को कहा. 27 को काली स्थित ऑफिस के बाहर बाइक सवार दोनों हल्ला हमलावरों में तीन गोलियां मार कर मौत के घाट उतारा

छावनी परिषद लखनऊ विद्यालय में मेधावी छात्र छात्राओं को वितरण किया साइकिल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। छावनी परिषद द्वारा संचालित माध्यमिक विद्यालय आर ए प्रांगण में बोर्ड परीक्षाओं में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमोद शर्मा ने साइकिल वितरण कर उनका हौसला बढ़ाया यह कार्यक्रम छावनी परिषद लखनऊ रक्षा मंत्रालय भारत सरकार के नामित सदस्य प्रमोद शर्मा द्वारा बच्चों को साइकिल वितरण करके उनके उज्जवल भविष्य की कामना की उन्होंने कहा शिक्षा ही सबसे बड़ी सफलता का माध्यम है और बच्चे देश का भविष्य है और बच्चों का सम्मान समाज के लिए प्रेरणा स्रोत है इस प्रकार प्रोत्साहन से विद्यार्थियों में आगे बढ़ाने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है साइकिल प्राप्त करने वाले विद्यार्थी कु. उमा कु. पारुल सिंह कु. मानसी यादव मोहित सिंह रेहान

अली मयंक चौरसिया कु. साईं ओम कु. वर्तिका कु. छाया शामिल रहे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सुरेश तिवारी अभिषेक राठौर मुख्य अधिशासी अधिकारी अधिकारी छावनी परिषद योगेश दीक्षित फिल्म डायरेक्टर रंजीता शर्मा पूर्व पार्षद छावनी परिषद अशफाक कुरैशी पूर्व पार्षद अंजुम आरा पूर्व उपाध्यक्ष माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाचार्य पूनम ठाकुर रेनबो स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती किरण पांडे मंगल स्कूल की प्रधानाचार्य साधना सिंह के साथ सभी विद्यालयों के समस्त शिक्षक व छात्र-छात्राओं के अभिभावक भी सम्मिलित रहे सामाजिक संस्थाओं से अखिल ग्रोवर कैंट अध्यक्ष उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल योग गुरु केडी मिश्रा राजेश शर्मा धीरज सिंह विकास धानुक राजेश कनौजिया एलबीएस स्कूल के प्रबंधक कुदरत उला बली जी महेश जैसवाल अशोक रजत एवं समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे

महंगाई का कोबरा अब एनाकोंडा बनता जा रहा है- सुनील सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह ने बढ़ती महंगाई और बिजली बिलों में प्रस्तावित फ्यूल चार्ज वृद्धि को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि महंगाई का कोबरा अब धीरे-धीरे एनाकोंडा बनता जा रहा है, जो आम जनता, किसानों, मजदूरों, कर्मचारियों और मध्यम वर्ग की आय को निगलता जा रहा है। सुनील सिंह ने कहा कि खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल और बिजली की बढ़ती कीमतों ने किसानों की खेती की लागत में भारी वृद्धि कर दी है। इसके बावजूद किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है, जिससे किसान आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने बिजली विभाग द्वारा बिजली बिलों में फ्यूल चार्ज में 10 प्रतिशत तक वृद्धि के प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा कि इससे आम उपभोक्ताओं, किसानों और छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। पहले से महंगाई की मार झेल रही जनता के लिए यह फैसला परेशानी और बढ़ाने वाला है। लोकदल अध्यक्ष ने सरकार से महंगाई पर नियंत्रण करने, बिजली बिलों में प्रस्तावित फ्यूल चार्ज वृद्धि वापस लेने तथा किसानों को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि जनता बढ़ती महंगाई और लगातार बढ़ रहे आर्थिक बोझ से परेशान है और सरकार को जनहित में तत्काल निर्णय लेने चाहिए।

हमीरपुर पुल हादसे की उच्चस्तरीय न्यायिक जांच हो- अजय राय

➤ मृतकों के परिजनों को मुआवजा, सरकारी नौकरी और घायलों के समुचित इलाज की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने जनपद हमीरपुर में बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल के ध्वस्त होने की घटना को बेहद दुखद, गंभीर और प्रदेश सरकार की निर्माण व्यवस्था पर बड़ा सवाल बताया है। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराए जाने की मांग की है। अजय राय ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर कहा कि लगभग 92.52 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा पुल अचानक ध्वस्त हो जाना केवल सामान्य दुर्घटना नहीं माना जा सकता। यदि निर्माणाधीन पुल अपने ही भार को नहीं सह सका और उसके पिलर, स्लैब व स्टील संरचनाएं एक साथ धराशायी हो गईं, तो निर्माण गुणवत्ता, तकनीकी मानकों और कार्यदायी संस्था की जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना में प्रशासनिक अकर्मण्यता एवं संभावित भ्रष्टाचार से

इंकार नहीं किया जा सकता। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मांग की कि पूरे प्रकरण की जांच उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश अथवा स्वतंत्र उच्चस्तरीय आयोग से कराई जाए तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अजय राय ने मृतकों के आश्रितों को पर्याप्त आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित कराने की भी मांग की है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बृजलाल खाबरी के नेतृत्व में दुर्घटना स्थल का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने प्रभावित परिवारों और स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि दुर्घटना में प्रभावित लोगों की वास्तविक संख्या तथा मृतकों का सही आंकड़ा अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। कुछ मजदूरों के मोबाइल फोन घटना के बाद से बंद बताए जा रहे हैं, जिससे परिजनों में चिंता और असमंजस की स्थिति बनी हुई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मांग की है कि निर्माण कार्य से जुड़े तकनीकी अभिलेख, गुणवत्ता परीक्षण रिपोर्ट, भुगतान विवरण और अनुबंध सार्वजनिक किए जाएं। साथ ही दुर्घटना के समय कार्यस्थल पर मौजूद सभी मजदूरों, कर्मचारियों और अधिकारियों की नामावली सार्वजनिक कर उनका सत्यापन कराया जाए तथा मृतकों एवं लापता व्यक्तियों की संख्या का स्वतंत्र रूप से पुनः सत्यापन कराया जाए। कांग्रेस पार्टी ने कहा कि यदि जांच में निर्माण सामग्री, डिजाइन, पर्यवेक्षण अथवा कार्य निष्पादन में किसी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार सामने आता है तो संबंधित अधिकारियों, अभियंताओं, ठेकेदारों एवं कार्यदायी संस्था के विरुद्ध आपराधिक मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस मध्य की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक लखनऊ में सम्पन्न

● प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने विधान सभा चुनाव की तैयारी हेतु संगठित होकर अभी से क्षेत्र में जुट जाने का कार्यकर्ताओं से किया आह्वान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस मध्य की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक रविवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर संपन्न हुई। जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पूर्व मंत्री, अमेठी सांसद के.एल.शर्मा , युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी नितेंद्र सिंह एवं युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक शिवहरे जी मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि आप लोग पूरी ताकत के साथ काम करिये। किसी भी कार्यकर्ता को जब भी मेरी आवश्यकता हो मैं पूरी ताकत के साथ कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा रहूंगा। उन्होने कहा कि विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है ऐसे में आप लोगों को संगठन को मजबूत बनाकर क्षेत्र में अभी से जुटने की आवश्यकता है। अमेठी से सांसद के.एल. शर्मा ने युवा कांग्रेस पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप लोग संगठन को मजबूत बनाइये और जनता के बीच जाकर कांग्रेस सरकार द्वारा किये

गये कार्यों को बताइयो, कांग्रेस की उपलब्धियों को बताइये। जनता की मूलभूत समस्याओं को लेकर आवाज उठाइये। आप लोगों द्वारा जो कार्य किये जा रहे हैं वह बहुत ही सराहनीय है। उन्होने कहा कि सरकार द्वारा जो जनविरोधी निर्णय लिये जा रहे हैं उसके खिलाफ आप लोगों को आवाज बुलन्द करना है। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव प्रभारी उ.प्र. नितेंद्र सिंह ने कहा कि हम लोगों को एक रोड मैप बनाकर कार्य करना है। उन्होने कहा कि प्रदेश में युवा कांग्रेस मध्य द्वारा एक पदयात्रा निकालने का प्रोग्राम बनाया जा रहा है। सभी लोगों से राय लेकर इस पदयात्रा को पूरी ताकत के साथ निकालना है और कांग्रेस पार्टी की आवाज को जन जन तक पहुंचाना है क्योंकि विधानसभा चुनाव के लिए अभी से कमर कसनी होगी। प्रदेश युवा कांग्रेस मध्य के अध्यक्ष दीपक शिवहरे ने युवा कांग्रेस पदाधिकारियों को पूरी तरह एकजुट होकर कार्य करने की अपील की और कहा कि आप लोग पूरी एक टीम भावना के साथ मिलकर कार्य करें और प्रदेश में सत्तासीन भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए अभी से जुट जाएं। बैठक में मुख्य रूप मीडिया इंचार्ज देवेश तिवारी, राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष शरीफ़ अहमद, अरबाज, संजीव यादव, प्रदेश संगठन महासचिव प्रदुम्न ठाकुर, प्रदेश महासचिव समीर अहमद,रितिक शुक्ला, शेखर नलबंशी, भावेश पाठक, अभय सिंह, रिपुंजय उपाध्याय, वैभव शुक्ला,निर्भान यादव, विशाल वर्मा, सुशांत पाल, पवन पटेल, प्रदेश सचिव हेमंत रिछारिया, मोहित तिवारी, शिवेंद्र पांडे ,चांद जीवरेले आकाश दीक्षित, देवव्रत मिश्रा, आदिल गौरी, जिला अध्यक्ष दाऊ चौहान, राजकुमार यादव, शुभम सिंह, मोहित मौर्या, मोहन सिंह, हेमंत यादव, नरेंद्र वर्मा, निजाम हुसैन, संतोष वर्मा, रामेंद्र त्रिपाठी, अंबुज शुक्ला आदि कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण मौजूद रहे। इसके उपरान्त पेपर लीक के विरोध में मशाल जुलूस प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से दीपक शिवहरे प्रदेश अध्यक्ष युवा कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व एमएलसी दीपक सिंह की उपस्थिति में निकाला गया जिसमें सैंकड़ों की संख्या में युवा कांग्रेसजन मौजूद रहे।

बिजली बिल के नाम पर भाजपा लगा रही इलेक्शन सरचार्ज- अखिलेश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि बिजली के बिल के नाम पर भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव के तिकड़मी ख़र्चों की व्यवस्था के लिए 'इलेक्शन सरचार्ज' लगा रही है। जून से बिजली का बिल देखकर लोगों के आँखों के आगे अंधेरा छाएगा। दरअसल बिजली के बिल में भाजपा का कमीशन बढ़ा है। भाजपा सरकार महंगाई बढ़ा कर जनता की जेब काट रही है। भाजपा सरकार में पहले से ही मंहगाई चरम पर है उसके बाद भी वह लगातार मंहगाई बढ़ाती जा रही है। मंहगाई से जनता पहले से त्रस्त हैं, भाजपा की सरकार हर दिन मंहगाई बढ़ा रही है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा कभी डीजल, पेट्रोल, कभी बिजली और कभी गैस सिलेण्डर के दाम बढ़ा दे रही है। आम जनता बेबस और परेशान है। भाजपा की कथनी करनी में बहुत अन्तर है। उसने मंहगाई कम करने का वादा किया था लेकिन जबसे सरकार आयी है, रोज मंहगाई बढ़ाती जा रही है। भाजपा की नीतियों से जनता त्रस्त है। भाजपा, पूंजीपतियों के लिए नीतियां बनाती है। उन्हीं के लिए काम करती है। गरीबों की जेब से पैसा निकाल कर पूंजीपतियों की पूंजी बढ़ाती है, फिर उनसे कमीशनशट्ठ और चंदे लेती है। भाजपा गरीब, किसान विरोधी है। 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता भाजपा को हटाकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएगी तभी महंगाई से निजात मिलेगी।

डॉ. राजेश्वर सिंह की मेधावी सम्मान योजना बनी शिक्षा प्रोत्साहन का मॉडल, 4 वर्षों में 2 हजार से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा को बढ़ावा देने और मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चलाई जा रही 卐मेधावी सम्मान योजना卐 आज एक प्रेरणादायक मॉडल बन चुकी है। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के प्रयासों से विगत चार वर्षों में 2 हजार से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया जा चुका है। इस पहल ने शिक्षा को जनआंदोलन का स्वरूप देने का कार्य किया है। रविवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों और प्रधानाचार्यों को सम्मानित किए जाने के अवसर पर डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि मेधावी विद्यार्थी ही विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत के भविष्य के निर्माता हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिभा का सम्मान करना केवल पुरस्कार देना नहीं, बल्कि समाज में शिक्षा और उत्कृष्टता के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि चार वर्ष पूर्व शुरू की गई मेधावी सम्मान योजना के अंतर्गत 卐आपका विधायक आपके द्वार卐 कार्यक्रम के जरिए 卐गाँव की शान, मेधावियों का सम्मान卐 अभियान लगातार चलाया जा रहा है। यह अभियान पिछले 169 सप्ताह से निरंतर जारी है और प्रत्येक सप्ताह गांवों में जाकर मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाता है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत हर सप्ताह दो मेधावी बालक और दो मेधावी बालिकाओं सहित कुल चार विद्यार्थियों को साइकिल देकर प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अतिरिक्त 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को साइकिल तथा 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को लैपटॉप और टैबलेट देकर सम्मानित किया जाता है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि अब तक लगभग 2 हजार विद्यार्थियों को सम्मानित किया जा चुका है, जिनमें 1800 से अधिक छात्र-छात्राओं को साइकिल, लैपटॉप और टैबलेट वितरित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों में पढ़ाई के प्रति उत्साह बढ़ा है और अभिभावकों में भी शिक्षा के प्रति जागरूकता आई है। उन्होंने कहा कि 卐गाँव की शान卐 के रूप में सम्मानित होने वाले विद्यार्थी आज पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। डॉ. राजेश्वर सिंह ने सभी मेधावी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यही छात्र-छात्राएं आने वाले समय में विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत की मजबूत नींव साबित होंगे।

सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सीआईएसएफ ने लगाया बृहद योग शिविर, कर्मचारियों व मरीजों ने किया योगाभ्यास

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनी नगर। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की लखनऊ एयरपोर्ट इकाई द्वारा सोमवार को सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बृहद योग शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 8 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों, मरीजों, बुजुर्गों और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योगाभ्यास किया। शिविर का आयोजन चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दिलीप भार्गव के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को योग के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। शिविर में मौजूद योग प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की विधियां सिखाईं। साथ ही नियमित योग करने से होने वाले शारीरिक और मानसिक लाभों की भी विस्तार से जानकारी दी गई। योग शिविर में चीफ फार्मेसिस्ट मदन गुप्ता, फार्मासिस्ट आर.बी. मौर्य, श्याम सिंह सहित स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मरीजों और स्थानीय नागरिकों ने भी योगाभ्यास कर कार्यक्रम को सफल बनाया। योग के दौरान प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। सीआईएसएफ अधिकारियों ने बताया कि गृह मंत्रालय के निर्देशों के तहत लोगों को स्वास्थ्य और योग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से लखनऊ एयरपोर्ट इकाई द्वारा समय-समय पर विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर योग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित यह कार्यक्रम भी उसी अभियान का हिस्सा है। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों से योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की गई। स्वास्थ्य केंद्र प्रशासन और सीआईएसएफ अधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है, बल्कि सामाजिक सहभागिता और सामुदायिक सहयोग भी मजबूत होता है।

समाचार

मोहर्रम से पहले हुसैनाबाद में डीसीपी पश्चिम का पैदल गश्त, सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आगामी मोहर्रम को देखते हुए लखनऊ पुलिस ने सुरक्षा तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में डीसीपी पश्चिम कमलेश दीक्षित ने हुसैनाबाद क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मोहर्रम के मद्देनज़र डीसीपी पश्चिम कमलेश दीक्षित ने हुसैनाबाद क्षेत्र में पैदल गश्त किया। इस दौरान उन्होंने बड़े इमामबाड़ा और छोटे इमामबाड़ा समेत संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण कर सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। गश्त के दौरान एडीसीपी पश्चिम, एसीपी चौक, थाना चौक प्रभारी, थाना ठाकुरगंज प्रभारी, क्षेत्रीय चौकी प्रभारी और भारी पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर भी निरीक्षण किया। लखनऊ पुलिस का संदेश- मोहर्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगी और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

साइबर सेल की बड़ी सफलता, 220 खोए मोबाइल असली धारकों को सौंपे

42.50 लाख के 220 गुम मोबाइल बरामद, मालिकों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस के पश्चिमी जोन की साइबर सेल और थानों की साइबर हेल्प डेस्क टीम ने शानदार कार्य करते हुए 220 गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए। बरामद मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत करीब 42 लाख 50 हजार रुपये है। पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र सिंह सेंगर के निर्देश पर चलाए गए अभियान के तहत CEIR पोर्टल और जनशिकायत प्रकोष्ठ से प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई की गई। डीसीपी पश्चिमी कमलेश दीक्षित के निर्देशन में साइबर टीम ने लखनऊ समेत अन्य जनपदों और राज्यों से विभिन्न कंपनियों के 220 मोबाइल फोन बरामद किए। बरामद मोबाइलों में Redmi, Oppo, Vivo, Realme, Samsung और OnePlus जैसे ब्रांड शामिल हैं। डीसीपी पश्चिमी ने सभी मोबाइल उनके असली मालिकों को सुपुर्द किए। पुलिस की अपील-मोबाइल गुम होने पर तुरंत यूपीसीओपी ऐप पर दर्ज करें, नया सिम लें, क्राईम पोर्टल पर शिकायत करें और नजदीकी थाने की साइबर हेल्प डेस्क से संपर्क करें।

किशोर बेटियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए लगाया जा रहा एच.पी.वी. टीका

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के लिए एच.पी.वी. टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बेटियों को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर निःशुल्क टीका लगाया जा रहा है। सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दिलीप भार्गव ने बताया कि वर्तमान में सोशल मीडिया पर इस टीकाकरण अभियान को लेकर कई भ्रामक और तथ्यहीन खबरें प्रसारित की जा रही हैं, जिनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि इस तरह की अफवाहों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। डॉ. भार्गव ने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाली गंभीर बीमारियों में शामिल है और समय रहते टीकाकरण इसके बचाव का प्रभावी माध्यम है। सरकार की ओर से यह अभियान किशोर बेटियों के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य को ध्यान में रखकर चलाया जा रहा है। उन्होंने क्षेत्र के सभी अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि अपनी बेटियों के स्वास्थ्य को लेकर जागरूक रहें और उनका समय से टीकाकरण जरूर कराएं, ताकि भविष्य में इस गंभीर बीमारी से बचाव संभव हो सके। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार क्षेत्र में लोगों को जागरूक करने के साथ टीकाकरण अभियान को सफल बनाने में जुटी हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, टीकाकरण पूरी तरह सुरक्षित है और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी में किया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ दिलीप भार्गव ने लोगों से अपील की है कि किसी भी जानकारी के लिए सीधे स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

धमकी देकर अवैध वसूली का आरोप, पीड़ित ने सरोजनीनगर पुलिस से लगाई गुहार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनी नगर। सरोजनीनगर क्षेत्र के भगवन्तखेड़ा कुरौनी, बंथरा निवासी आकाश सिंह चौहान ने आशियाना निवासी कौस्तुभ तिवारी पर धमकी देकर अवैध धन उगाही का आरोप लगाते हुए थाना सरोजनीनगर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित ने थाना प्रभारी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह किराये पर गाड़ियां चलवाने का कार्य करते हैं और इसी से परिवार का पालन-पोषण होता है। आरोप है कि कौस्तुभ तिवारी लगातार उनके काम में बाधा डाल रहे हैं और प्रति गाड़ी 500 रुपये की मांग कर रहे हैं। पीड़ित के अनुसार 29 मई की रात करीब 8ः45 बजे वह अपनी कार से लुलु मॉल की तरफ से लौट रहे थे। इसी दौरान शहीद पथ पर एयरपोर्ट से पहले बाइक सवार दो युवकों ने उनकी गाड़ी रुकवाकर धमकी दी और कहा कि कौस्तुभ तिवारी से मिलकर रुपये दे दो, तभी गाड़ियां चल पाएंगी। आकाश सिंह ने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर भी उन्हें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। पीड़ित ने पुलिस से मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

संपादकीय

कृषि क्षेत्र के सामने सूखे की चुनौती

हाल ही में 29 मई को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश की धड़कन माने जाने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग ने साल 2026 के अपने पुराने अनुमान को और घटा दिया है। पहले जहां आईएमडी ने लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलआरए) की 92 फीसदी बारिश होने का अनुमान लगाया था, वहीं अब इसे घटाकर 90 फीसदी कर दिया गया है। इसका सीधा मतलब यह है कि देश में इस साल 'सामान्य से कम' बारिश होने की पूरी आशंका है। इस पूर्वानुमान में 4 फीसदी का मॉडल एरर (ऊपर या नीचे) हो सकता है। अगर मौसम विभाग का यह ताजा अनुमान सच साबित होता है, तो भारत पिछले एक दशक के सबसे सूखे मानसून का सामना करेगा। इससे पहले साल 2015 में भारत में इतनी कम बारिश रिकॉर्ड की गई थी, जब मानसून सामान्य से लगभग 13 फीसदी कम था। चूंकि मानसून के दौरान अल-नीनो की स्थिति मजबूत होने की वजह से बारिश कम होगी, अतएव पहले से ही ईरान युद्ध के कारण महंगाई की मार झेल रहे भारत की आर्थिक चुनौतियां बढ़ गई हैं। स्पष्ट है कि अल-नीनो के सक्रिय होने से देश के कई हिस्सों में बारिश पर बुरा असर पड़ सकता है, जिससे फसलों की प्लानिंग और किसानों की कमाई प्रभावित होगी। यदि हम देश में पिछले कमजोर मानसूनों और अलनीनों के प्रभाव का विश्लेषण करें तो पाते हैं कि सामान्य से कम मानसून वाले वर्षों में जब बारिश का समय, वितरण और फैलाव लगभग समान रहा तब खरीफ के उत्पादन में अधिक कमी नहीं हुई, किन्तु गैर-सिंचित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर उगाई जाने वाली दलहन और तिलहन जैसी फसलों के लिए जोखिम हो सकती हैं। साथ ही दलहन और तिलहन का कम उत्पादन खाद्य महंगाई पर असर डाल सकता है। एक ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया संघर्ष से महंगे उर्वरक, महंगे तेल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से खेती की लागत बढ़ी है, तब कमजोर मानसून ने न केवल किसानों और कृषि पर, वरन आम आदमी और अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर हो सकता है। साथ ही पेयजल समस्या की चुनौतियां भी बढ़ सकती हैं। वस्तुतः जलाशयों में पर्याप्त पानी 2025 के मानसून सीजन में अच्छी बारिश के कारण है, लेकिन अब इस साल कमजोर मानसून की आशंका से पानी का संग्रहित स्टॉक जल्दी खत्म हो सकता है। गौरतलब है कि नीति आयोग के मुताबिक देश के कुल फसल रकबे का केवल 55 फीसदी सिंचित है और 45 प्रतिशत खेती मानसून पर निर्भर है। कम्पोजिट वॉटर मैनेजमेंट इंडेक्स (सीडब्ल्यूएमआई) के अनुसार लगभग 74 प्रतिशत गेहूं और 65 प्रतिशत चावल की खेती वाले क्षेत्र पहले से ही भारी जल संकट का सामना कर रहे हैं। व्यावसायिक फसलों और औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ते रुझान से भारत में मानसून की वर्षा पर निर्भरता बढ़ी हुई है। अब अल-नीनो के खतरे और कमजोर मानसून की आशंका से जलाशय के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है। वास्तव में देश के किसानों और कृषि क्षेत्र की चिंताएं बढ़ाने वाला यह परिदृश्य देश के वर्तमान सुकूनदायक कृषि क्षेत्र के समक्ष एक चुनौती बनकर दिखाई दे रहा है। ऐसे में इस वर्ष सामान्य से कम मानसून और खेती की बढ़ती लागत के मद्देनजर अभी से कई बातों पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। इस बात पर ध्यान देना होगा कि कम बारिश से जलाशयों में पानी का स्तर गिरने से सिंचाई और पीने के पानी की उपलब्धता प्रभावित होगी, ऐसे में अभी से जल संरक्षण के प्रयास शुरू होने चाहिए। चूंकि देश के विभिन्न हिस्सों में विविध जलवायु है और कृषि अनुकूल जलवायु क्षेत्रों के मामले में वह समृद्ध है, अतएव ऐसे में भारत को फसल विविधिकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढ़ना होगा। चूंकि देश में अभी भी अनाज, दाल तथा तिलहन के उत्पादन का स्तर मौसम पर ही निर्भर होता है, ऐसे में क्षेत्रवार और फसलवार आधार का व्यापक अध्ययन करते हुए सिंचाई व्यवस्था की नई नीति तैयार करना लाभप्रद होगी। हमें कमजोर मानसून और अल नीनो के खतरे के पूर्वानुमान के बीच खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए खाद्य भंडारण को मजबूत करना होगा। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि ईरान-अमरीका संकट के बीच भारत में अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन एक सुरक्षा कवच की तरह है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि 2008 की वैश्विक मंदी में भी भारत की अर्थव्यवस्था खाद्यान्न ताकत के कारण बहुत कम प्रभावित हुई। इतना ही नहीं छह साल पहले कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के लिए हथियार बन गए थे। हमें गेहूं के निर्धारित निर्यात आदेशों की पूर्ति के साथ गेहूं के आगामी किसी भी नए निर्यात आदेश की पूर्ति के लिए सजगता रखनी होगी। देश ने देखा है कि वर्ष 2021-22 में 70 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात किया था, लेकिन वर्ष 2024 में गेहूं का आयात करना पड़ा। ऐसे में अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में वर्ष 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को तेजी से आगे बढ़ाया जाना होगा।

पंजाब के संकेत

सही मायने में पंजाब के हालिया स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों के आधार पर अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए निर्णायक निष्कर्ष तो नहीं निकाले जा सकते। हां, लेकिन इन परिणामों से महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत जरूर मिलते हैं। निस्संदेह, लोकतंत्र की इस छोटी इकाई, नगर निकाय चुनावों में राज्य स्तर का व्यापक परिदृश्य तो नहीं उभरता, बल्कि स्थानीय मुद्दे इन चुनावों में निर्णायक भूमिका जरूर निभाते हैं। वैसे पिछले ट्रेंड के आधार पर कहा जा सकता है कि ऐसे चुनावों में राज्य के सत्ताधारी दल को लाभ निश्चित रूप से मिलता है। इसका कारण यह भी है कि प्रभावी व संपन्न लोग सत्तारूढ़ दल के करीब आना चाहते हैं। मतदाता यह मानकर चलते हैं कि विकास निधि और प्रशासनिक सहायता उन क्षेत्रों में सहज व सरलता से पहुंचती है, जहां सत्तारूढ़ दल से जुड़े प्रत्याशी चुनाव जीतते हैं। इस तथ्य की पुष्टि एक बार फिर से हुई है, जब इन निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी ने शानदार जीत हासिल की है। कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही जबकि भाजपा और अकाली दल निर्दलीय उम्मीदवारों से भी पीछे रह गए। वास्तव में इन आंकड़ों को सावधानी से देखना चाहिए। दरअसल, स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान कुल मतदान का प्रतिशत 64 फीसदी रहा, लेकिन नगर निगमों में यह भागीदारी 60 फीसदी रही, जो बड़े शहरों में मतदाता की सुस्ती को दर्शाता है। सही मायने में स्थानीय निकाय चुनावों में आमतौर पर मतदाताओं की भागीदारी असमान और कम रही है। माना जाता है कि विधानसभा चुनाव में मतदान आमतौर पर अधिक होता है और राजनीतिक मुद्दे व्यापक होते हैं। इसके बावजूद, यह चुनाव निष्कर्ष विपक्ष के लिए चिंताजनक वास्तविकता को दर्शाता है। पंजाब में पांव पसारते नशीली दवाओं के कारोबार, अपराध, कानून व्यवस्था और सरकार की शासन संबंधी नीतियों को लेकर विपक्ष की कड़ी आलोचना के बावजूद, विपक्षी दल जनता की असंतुष्टि को वोटों में तब्दील करने में विफल हो रहे हैं। कांग्रेस गुटबाजी और नेतृत्व की अनिश्चितता से जूझ रही है। वहीं दूसरी ओर शिअद अभी भी बेअदबी विवाद और किसान आंदोलन के राजनीतिक नतीजों से उबरने के लिए संघर्ष कर रहा है। हालांकि, भाजपा राज्य के चुनावी परिदृश्य में अभी भी एक मामूली खिलाड़ी ही साबित हुई है, मगर ऐसा लगता है कि उसने 2027 के लिए पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है। जट सिख केवल सिंह ढिल्लों की पंजाब भाजपा अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति महत्वपूर्ण है। भाजपा ने अपने पारंपरिक शहरी-हिंदू आधार से आगे बढ़ने के प्रयास का संकेत दिया है। निस्संदेह, अभी विधानसभा चुनाव का रास्ता खासा लंबा है। लेकिन फिलहाल, आम आदमी पार्टी ने शुरुआती बढ़त हासिल कर ली है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष अभी भी एकजुटता और दिशा की तलाश में लगा हुआ है।

सभ्य समाज में हिंसा की जगह नहीं

आखिरकार वे सारी आशंकाएं सही साबित हो रही हैं, जिनका डर विपक्ष खासकर कांग्रेस पार्टी बरसों से दिखा रही थी। भाजपा ने संविधान और लोकतंत्र को दांव पर लगा दिया, यह अब महज आरोप नहीं रह गया है।

आखिरकार वे सारी आशंकाएं सही साबित हो रही हैं, जिनका डर विपक्ष खासकर कांग्रेस पार्टी बरसों से दिखा रही थी। भाजपा ने संविधान और लोकतंत्र को दांव पर लगा दिया, यह अब महज आरोप नहीं रह गया है। राहुल गांधी ने कहा था कि नफरत का केरोसिन पूरे देश में छिड़क दिया गया है और अब उसी से चिंगारी भड़काई जा रही है। प. बंगाल में विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस के दो सांसदों के साथ भीड़ ने जो हिंसा की, वह इसी चिंगारी भड़कने का नतीजा है। संविधान और लोकतंत्र को कुचलने की साक्षात तस्वीर है। शनिवार को प.बंगाल के सोनारपुर में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी चुनाव बाद हुई हिंसा से प्रभावित परिवारों से मिलने जा रहे थे, तब उन पर पहले से इकत्र भीड़ ने अंडे और पत्थर फेंके, उनके साथ धक्का-मुक्की की। अभिषेक बनर्जी के किसी साथी ने उन्हें फौरन हेलमेट पहनने दिया, जिससे उनके सिर पर पत्थर नहीं लग सका। अन्यथा इस घटना के जो वीडियो सामने आए हैं, उनमें से एक में नजर आ रहा है कि एक व्यक्ति ने बड़ा सा पत्थर उन पर निशाना लगाकर फेंका है। इस घटना को चंद घंटे नहीं बीते थे कि टीएमसी के ही एक अन्य सांसद कल्याण बनर्जी पर इसी तरह हमला हुआ, जिसमें उनके सिर पर चोटें आई हैं। लोकतंत्र को लहूलुहान होते देखने को ही क्या अच्छे दिन कहना चाहिए, अब

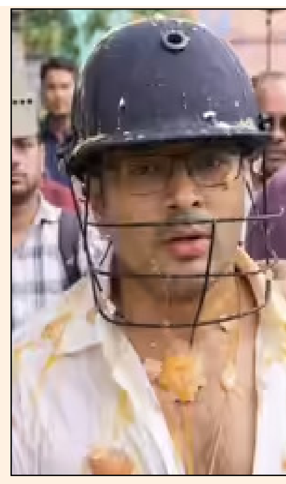

यह जनता को सोचना होगा। प.बंगाल में चुनाव जीतने के फौरन बाद ही टीएमसी कार्यालयों में तोड़फोड़ और आगजनी की कई घटनाएं हुई थीं। टीएमसी के कई कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट भी हुई थी। हालांकि उस समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि बदले की नहीं बदलाव की राजनीति होगी। तो क्या श्री मोदी के मुताबिक बदलाव की यही परिभाषा है कि अराजक भीड़ को हिंसा की छूट मिले और पुलिस प्रशासन मौके से गायब दिखें। गौरतलब है कि भाजपा नेता अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी पर हुए हमलों को गलत तो कह रहे हैं लेकिन साथ में यह जोड़ना नहीं भूल रहे कि बंगाल का यही रक्त चरित्र रहा है और टीएमसी के लोग भी इसी तरह की गुंडागर्दी किया करते थे। यह तो वही बात हुई कि एक गलत के बदले आप दूसरा गलत करें और उसे अतीत के आधार पर सही साबित करने की कोशिश करें। बंगाल की सुवेन्दु अधिकारी सरकार में मंत्री दिलीप घोष ने तो यहां तक कह दिया कि जनता टीएमसी से नाराज है तो इन लोगों को घर से नहीं निकलना चाहिए। यानी भाजपा यह स्वीकार कर रही है कि भीड़ की हिंसा जायज है और उसे रोकने की क्षमता भाजपा सरकार में नहीं है। दिलीप घोष ने यह भी कहा कि अभिषेक बनर्जी को हीरो बनने की क्या जरूरत थी। कितनी अजीब बात है कि एक जनप्रतिनिधि अगर जनता के बीच जाए तो उसे हीरो बनना कहा जा रहा है। याद कीजिए कि नरेन्द्र मोदी को भी पंजाब के पिछले विधानसभा चुनाव में ऐसे ही हीरो बनने का मौका मिला था, जब थोड़े से किसान उनके काफिले के रास्ते में थे और अपनी शिकायत दर्ज करवाना चाहते थे। तब तो श्री मोदी उनका सामना करने की जगह वापस लौट गए, अपनी रैली रद्द कर दी और पुलिस से कहा कि अपने मुख्यमंत्री से कहना मैं जिंदा लौट गया। देश ने पहली बार किसी प्रधानमंत्री को जनता से इस तरह बचकर लौटते देखा था। प्रधानमंत्री मोदी चाहते तो किसानों से मिलते, उनकी नाराजगी को सुनते और हीरो बन जाते। लेकिन मोदी न खुद हीरो बने न चाहते हैं कि दूसरा कोई इस तरह की हिम्मत दिखाए। बहरहाल, भाजपा चाहे न चाहे, लेकिन विपक्ष के तमाम बड़े नेता इसी तरह जनता के बीच जाते रहते हैं। उनकी विचारधारा कुछ भी हो और आपसी मतभेद चाहे जितने हों, लेकिन इन सबमें एक बात सामान्य है कि अपने विरोधियों को वे दुश्मन की तरह नहीं मानते हैं। लोकतंत्र में विचारों की असहमति पर विपक्ष के नेताओं का यकीन बरकरार है। प.बंगाल की इस घटना ने अब एक बार फिर समूचे विपक्ष को एक साथ आने और भाजपा के खिलाफ आवाज उठाने का मौका दिया है। शनिवार से लेकर रविवार तक इंडिया गठबंधन के लगभग तमाम बड़े नेताओं ने ममता बनर्जी से बात की, अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी पर हुए हमले की निंदा की और भाजपा के शासन में बढ़ती हिंसा के मद्देनजर लोकतंत्र को लेकर चिंता व्यक्त की। ध्यान रहे कि जून 2023 में विपक्ष के 16 दल बिहार में एक साथ बैठे थे और भाजपा के खिलाफ खड़े होने पर मंथन किया था तो इंडिया गठबंधन बनने की राह निकली, जिसने 2024 के चुनाव में भाजपा को महज 240 सीटों पर समेट दिया था। 2024 से 2026 तक इंडिया गठबंधन के दल आमतौर पर एकजुट ही रहे और संसद में भी कई मुद्दों पर उन्होंने मिलकर मोदी सरकार को झुकाया। विधानसभा चुनावों में थोड़ी-बहुत दूरी इंडिया के घटक दलों में नजर आई तो भाजपा और मीडिया दोनों ने इसे इंडिया गठबंधन का टूटना ही बताया। लेकिन यह उनकी खुशफहमी से ज्यादा कुछ नहीं था। बंगाल, बिहार जैसे राज्यों को जीतने के बाद भाजपा ने जिस तरह का नफरती माहौल विपक्ष के लिए बना दिया है, उसके बाद विपक्ष का यह दावा और सच साबित हो रहा है कि भाजपा से लोकतंत्र और संविधान दोनों को खतरा है। एसआईआर पर हाल में सुप्रीम कोर्ट ने जो फैसला दिया है, उसमें भी विपक्ष अब और सावधान हो गया है।

आरएसएस-भाजपा और अमेरिका की दासता की ओर बढ़ता भारत

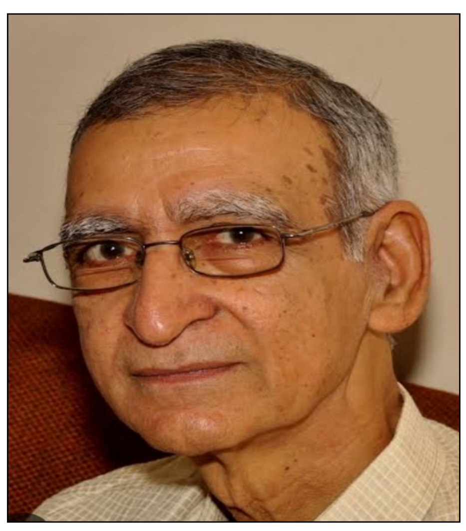

आलेख - राम पुनियानी, अनुवाद - अमरीश हरदेनिया

स्वतंत्रता के बाद भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्षता के सिद्धांत पर आधारित थी और वह शीत युद्ध के दोनों प्रमुख पात्रों - अमेरिका और सोवियत संघ - में से किसी के सामने नहीं झुकता था। पाकिस्तान शुरू से ही अमेरिका के इशारों पर नाचता रहा और वहां लोकतंत्र का गला घोंटकर मुस्लिम साम्प्रदायिक राजनीति का बोलबाला स्थापित होने में अमेरिकी राजदूत, मुल्लाओं और सेना की भूमिका सबके सामने साफ थी। आज भी इस्लाम के नाम पर वहां कट्टरपंथियों का बोलबाला है और सेना बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वहां एक के बाद एक सेना के जनरल सत्ता पर काबिज रहे या राजनैतिक मामलों में उनका जबरदस्त हस्तक्षेप रहा। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा फील्ड मार्शल आसिफ मुनीर को भोज का आमंत्रण दिए जाने से पाकिस्तान के हालात क्या हैं, यह अच्छे से समझा जा सकता है। वैसे पाकिस्तान की विदेश नीति के अन्य पक्ष भी हैं, लेकिन उसका अमेरिका की ओर झुकाव एकदम स्पष्ट रहा है। मजाक में यह कहा जाता था कि पाकिस्तान पर तीन 'ए' का राज है - अल्लाह, अमेरिकी राजदूत और आर्मी। यह कथन संभवतः अतिशयोक्तिपूर्ण हो, लेकिन यह साफ है कि जब समाज में धर्म के नाम पर की जाने वाली राजनीति का बोलबाला हो जाता है, तब वैसे ही हालात बन जाते हैं, जैसे हमारे पड़ोसी मुल्क में हैं। भारत किसी भी महाशक्ति के सामने न झुकने की राह पर चला और विभिन्न राष्ट्रों के सहयोग से बहुआयामी विकास करते हुए उसने तकनीकी, औद्योगिक और शिक्षा के क्षेत्र में तरक्की हासिल की। इसका एक उदाहरण है वे पांच आईआईटी, जिनमें से प्रत्येक अलग-अलग बड़े देशों की मदद से बनाए गए थे। भारत महाशक्तियों दबाव के सामने नहीं झुका, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण बांग्लादेश की स्थापना के पहले की घटनाएं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने भारत से कहा कि वह पूर्वी पाकिस्तान के घटनाक्रम में हस्तक्षेप न करे। उस समय पाकिस्तान की सेना वहां कहर ढ़ा रही थी, जिसके नतीजे में बहुत बड़ी संख्या में शरणार्थी भारत आ रहे थे। इंदिरा गांधी ने निर्भीकता का परिचय देते हुए न केवल निक्सन की सलाह मानने से इंकार कर दिया, बल्कि सोवियत संघ के साथ 'मैत्री संधि' कर ली। बंगाल में अमेरिकी नौसेना के सातवें बेड़े की मौजूदगी के बावजूद भारतीय सेना ने वहां हस्तक्षेप किया और मुक्ति वाहिनी की पूर्वी पाकिस्तान को पश्चिमी पाकिस्तान के चंगुल से मुक्त कराने में मदद की, जो पूर्वी पाकिस्तान में तरह-तरह की ज्यादतियां कर रहा था। यहां तक कि पाकिस्तान की राष्ट्रभाषा उर्दू को पूर्वी पाकिस्तान पर लादने का प्रयास किया जा रहा था। बांग्लाभाषी पूर्वी पाकिस्तान ने बगावत कर दी। भारत ने अमेरिकी धमकियों की परवाह न करते हुए पूर्वी पाकिस्तान की जनता को मुक्ति दिलवाई। लेकिन 2014 के बाद से भारत की विदेश नीति में धीरे-धीरे बदलाव होता गया और उस पर अमेरिका का प्रभुत्व कायम होता गया। इजराइल के साथ भारत प्रगाढ़ संबंध स्थापित कर रहा है। सत्ता पर काबिज दल की नीतियों के अनुरूप ईरान और फिलीस्तीन से हमारे परंपरागत रिश्तों को कुर्बान कर दिया गया है। आपरेशन सिंदूर में भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच टकराव हुआ। जहां भारत ने दावा किया कि युद्ध विराम पाकिस्तान के अनुरोध और दोनों देशों के बीच हुई वार्ताओं की वजह से हुआ, वहीं डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार यह शेखी बघारी कि उनके प्रशासन से आर्थिक मामलों में नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर दोनों देशों के बीच युद्ध विराम करवाया। अब तक भारत में पाकिस्तान को देश का दुश्मन नंबर 1 बताया जाता रहा है। दोनों देशों के नागरिकों के बीच इंडो-पाक फोरम व 'अमन की आशा' जैसी महत्वपूर्ण पहलों के जरिए संपर्क-संबंध स्थापित करने के प्रयास होते रहे हैं। अमन की आशा अभियान की शुरूआत भारत के टाईम्स ऑफ़ इंडिया एवं पाकिस्तान के अग्रणी समाचारपत्र जंग ने की थी। निःसंदेह दोनों देशों की सरकारें एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाती रही हैं। कश्मीर हमेशा से दोनों देशों के बीच एक मुद्दा रहा है। कश्मीरियों को एक ओर पाकिस्तान से आने वाले उग्रवादियों और आतंकियों से मुकाबला करना पड़ा, तो दूसरी ओर नागरिक इलाकों में भारतीय सेना की भारी मौजूदगी ने उनका जीवन हराम कर दिया। अब ऐसा लगता है कि आरएसएस-भाजपा का पाकिस्तान के प्रति रूख बदल रहा है। आरएसएस के दूसरे सबसे बड़े नेता सरकार्यवाहक दत्तात्रेय होसबोले ने हाल में कहा है कि दोनों देशों के बीच बातचीत के दरवाजे हमेशा खुले रहने चाहिए। संघ परिवार लगातार कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है और नेहरू को कश्मीर की स्थिति के लिए दोषी ठहराता रहा है। इस बीच कश्मीर में अफरातफरी जारी रही। अटलबिहारी बाजपेयी ने दोनों देशों के बीच विवाद को सुलझाने के प्रयास में लाहौर तक बस यात्रा की। इसके बाद पाकिस्तान के तानाशाह परवेज मुशर्रफ भारत पहुंचे। लेकिन इसके बावजूद भी गतिरोध बना रहा। इस सबके बीच होसबोले का वक्तव्य हवा के एक ताजे झोंके की तरह है। आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत पाकिस्तान और भारत के रिश्तों को अखंड भारत की संकल्पना से जोडते रहे हैं। भाजपा सरकार ने सार्क

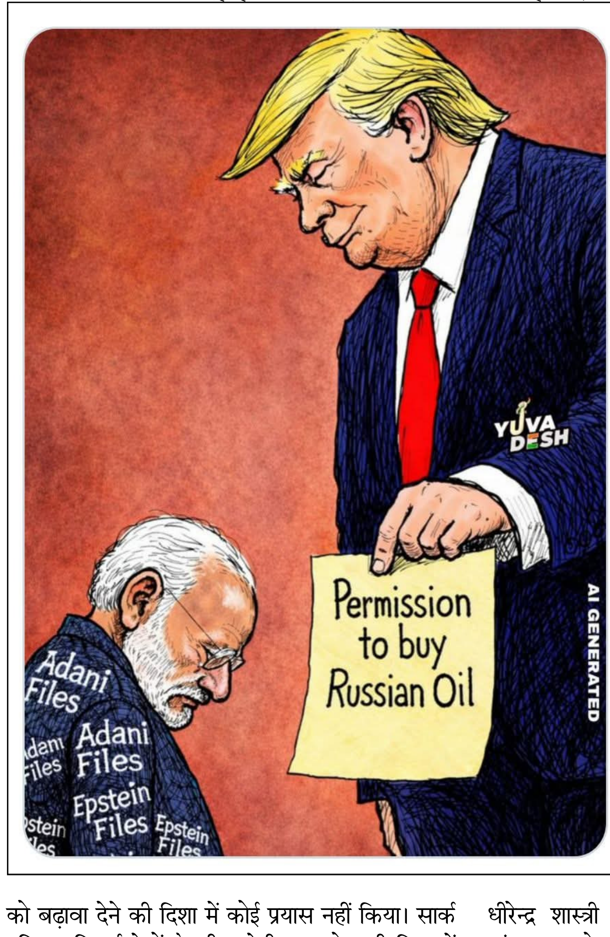

को बढ़ावा देने की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया। सार्क दक्षिण एशियाई देशों के बीच क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में एक शानदार कदम था। होसबोले का दावा है कि संघ की नीति हमेशा से यही रही है। बहरहाल, सच यह है कि बातचीत के द्वार खुले रखने की बात एकदम नई है। होसबोले ने यह वक्तव्य अपनी हालिया अमरीका यात्रा के बाद जारी किया है, मगर कई लोगों को संदेह है कि उन्होंने अमेरिका के दबाव में ऐसा कहा है। इस दावे की सच्चाई का पता लगाना मुश्किल है, मगर इसमें कोई संदेह नहीं कि अमेरिका को भारत अपना आका मान चुका है। अमेरिका ने जब भारत पर आयात शुल्क 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया और उसे फिर 18 प्रतिशत तक घटा दिया, तब भारत ने इसका कोई विरोध नहीं किया। भारत ने बिना ना-नुकुर के अमेरिका के इस निर्देश का भी पालन किया कि वह रूस से कच्चा तेल न खरीदे। इसकी दुबारा पुष्टि राम माधव के उस वक्तव्य से हुई, जिससे वे बाद में पीछे हट गए। वे आरएसएस-भाजपा के प्रमुख नेता हैं।वाशिंगटन में हडसन इंस्टीट्यूट में बोलते हूए उन्होंने कहा कि भारत टैरिफ बढ़ाने और रूस से तेल न खरीदने जैसे अमेरिका के फैसलों और मांगों के सामने झुका। इसके बाद उन्होंने कहा कि ''भारत ने अमेरिका के साथ सहयोग करने के लिए आखिर क्या नहीं किया। जब उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा, तो उन्होंने अपना यह वक्तव्य वापिस ले लिया, मगर पोल तो खुल चुकी थी। आरएसएस हमेशा से अमेरिका का पिछलग्गू रहा है। यहां तक कि उसने अमेरिका के वियतनाम पर हमले का भी समर्थन किया था। संघ की राजनैतिक शाखा भारतीय जनसंघ सहकारिता और सार्वजनिक क्षेत्र के उस मॉडल के खिलाफ थे, जिसकी मदद से भारत का औद्योगिकरण हुआ। पाकिस्तान हर चीज में अमेरिका की मदद के प्रति इतना आश्वस्त था कि उसने अपनी औद्योगिक, शैक्षणिक और शोध अधोसंरचना विकसित ही नहीं की। भारत की वर्तमान सरकार का फोकस पहचान से जुड़े मुद्दों, गाय-बीफ आदि पर है। वह डार्विन के सिद्धांत को खारिज करती है और मेंडलीफ की आवर्त सारणी को विज्ञान के पाठ्यक्रम से बाहर कर दिया गया है। यह सरकार धीरेन्द्र शास्त्री जैसे बाबाओं की गिरफ्त में है और अंधश्रद्धा को बढ़ावा दे रही है। इसके साथ ही वह अमेरिका की पिछलग्गू भी बनी हुई है। यही वह राह है, जिस पर पाकिस्तान भी चला था, जिसके चलते वहां न तो प्रजातंत्र जड़ पकड़ सका और न ही देश का विकास हो सका।

सरकार हिन्दू-मुसलमान से बनती है बच्चों की पढ़ाई लिखाई से क्या मतलब!

शकील अख्तर

सरकार जब पढ़ा नहीं सकती तो परीक्षाएं क्यों ले? और परीक्षाओं का काम क्या है? पास होकर सिलेक्ट होकर क्वालिफाई कहलवाकर सीट मांगेंगे, नौकरी मांगेंगे! नेहरू के रास्ते पर नहीं जाना। इसलिए स्टूडेंट चाहे जितना चिल्लाएं, परेशान हों, उनके अभिभावक परेशान हों मोदी सरकार को कोई मतलब नहीं है। क्या करें? केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कह दिया। क्या करें? जब पेपर बनाने वाले ही उसे लीक कर रहे हैं। कितना अच्छा जवाब है। इससे पहले तो पेपर ऊपर से बन कर आते थे? कोई व्यक्ति नहीं बनाता था। इसलिए लीक नहीं होते थे। अब यह सरकार अपने आदमियों को लेकर आई है। उनसे बनवाती है और वहीं बेच देते हैं। तो इसमें कितनी ईमानदारी से धर्मेन्द्र प्रधान ने कह दिया क्या करें! धर्मेन्द्र प्रधान से इस्तीफा मांग रहे लोगों को समझना चाहिए कि वे एक छोटे मोहरे भर हैं। वैसे ही जैसे मुख्य चुनाव आयुक्त हैं। क्या एक बार में उनका नाम याद आ जाता है? नहीं उनके पिछले वाले का याद आ जाता है। दोनों नाम गड्डमड्ड हो जाते हैं। क्यों? क्योंकि उन नामों का कोई महत्व ही नहीं है। जैसे गणित के सवालों में ए बी सी कहा जाता है। या और भी विषयों में उदाहरण देने के लिए वैसे ही यहां व्यक्ति नहीं ए बी सी हैं। धर्मेन्द्र प्रधान को खुश होना चाहिए कि आज उनका नाम बच्चा-बच्चा जान गया। नहीं तो केन्द्र सरकार में नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के अलावा और कोई नाम किसी को पता नहीं है। सरकार को बच्चों को फेल ही करना है तो यह प्रयोग करके देखे कि उनसे पूछे कि किस मंत्रालय के कौन मंत्री है? सब फेल हो जाएंगे। हां, जो सवाल पूछने वाले हैं उनके सामने भी लिखकर रखना होगा कि किस मिनिस्ट्री में कौन है? नाम उन्हें भी याद नहीं होंगे। तो बदनाम होंगे तो क्या नाम न होगा! धर्मेन्द्र प्रधान को लोग लंबे समय तक याद रखेंगे। स्टूडेंट का जैसा इम्तहान उन्होंने लिया है। मानसिक प्रताड़ना देकर वैसा इतिहास में कभी नहीं हुआ। हां, गोदी मीडिया चाहे तो वह बता सकती है कि नेहरू के राज में भी यह हुआ था और सारी व्यवस्था उन्हीं की बिगाड़ी हुई है। ये आईआईटी एम्स और दूसरे वैज्ञानिक और शिक्षण संस्थान सब गलत बनाए। नेहरू इसके बदले अगर पकौड़े की दुकान खोलने को स्टूडेंट और युवाओं को प्रोत्साहित करते तो अब यह परीक्षा वगैरह की जो बात हो रही है वह ही नहीं होती। कड़ाही, कलछा, तेल में ही सब उलझे रहते। शिक्षा की नींव ही गलत रखी। गांव-गांव स्कूल खुलवाने से लेकर उच्च शिक्षा तक एक मजबूत ढांचा बनवा कर बेवजह समस्याएं बढ़वाईं। ढांचा इतना मजबूत है कि उसे तोड़ने में ही सारी ताकत लग रही है। यह पढ़ाई-लिखाई हटे तो हमें मूर्खता फैलाने के और रास्ते मिलें। ज्ञान विज्ञान झूठ और अफवाहें फैलाने में मुख्य बाधा है। यह टीचर लोग सरकारी तो बिचारे बोल नहीं पाते मगर इन कोचिंग वाले सरों ने तो हमारे झूठ की मुख्य फैक्ट्री गोदी मीडिया की ही धज्जियां उड़ा दीं। सारा दोष पढ़ाई-लिखाई का है। न यह कोचिंग वाले टीचर इतने पढ़े-लिखे होते न इन पर स्टूडेंट का इतना विश्वास होता तो न वह गोदी मीडिया के एंकरों से कहने की हिम्मत कर पाते कि हम पढ़े-लिखों पर उंगली उठा रहे हो अनपढ़ एंकरों। पढ़ाई-लिखाई व्यक्ति में हिम्मत पैदा करती है। इसलिए पढ़ाई-लिखाई का सारा सिलसिला बंद किया जा रहा है। पहले कहा जाता था पढ़ना-लिखना सीखो ए मेहनत करने वालों अब कहा जा रहा है-नफरत करना सीखो ए पढ़ने-लिखने वालों! सरकार का मुख्य काम है हिन्दू-मुसलमान करना। 12 साल से वोट इसी के नाम पर मिल रहे हैं तो फिर यह मेडिकल का नीट, सीबीएसई की कापियां जांचने में भारी लापरवाही फिर उसके पुनर्मूल्याकंन में और ज्यादा गड़बड़ी। इस स्तर तक कि सवाल उठाने वाले 17 साल के स्टूडेंट को पाकिस्तानी बता देने, विश्वविद्यालयों में प्रवेश का सीयूईटी यूजी और दूसरे तमाम टेस्टों पर ध्यान लगाने की सरकार को जरूरत क्या है? शनिवार को उच्च शिक्षा के लिए जो ऊपर बताया कि जिसका जाल देश भर में नेहरू ने बिछाया, जिसमें देश ने सबसे ज्यादा नाम किया उसमें एडमिशन के लिए हुए टेस्ट सीयूईटी- यूजी में परीक्षा तक समय पर नहीं ले सके। सुबह 9 बजे का टाइम था। पैरेंट बच्चों को लेकर पहुंचे मगर परीक्षा साढ़े ग्यारह बजे शुरू की। करते रहो बैठे रहो। कोई मतलब नहीं। दूसरी पारी का शाम तीन के बदले चार बजे हुआ। कुछ जगह तो पहली शिफ्ट की परीक्षा रद्द कर दी। कभी किसी को याद है पहले ऐसा हुआ हो। लेकिन हां, जरूरत पड़ेगी तो गोदी मीडिया ऐसी तमाम कहानियां लेकर आ जाएगा कि तब हुआ और तब हुआ। पाकिस्तान का उदाहरण दे सकते हैं। कहो मुगलों तक चले जाएं। नासा का नाम लेकर मंगल और दूसरे ग्रहों के दावे तो वे करते ही रहते हैं। बोल सकते हैं वहां भी हुआ था। सरकारी आंकड़ें हैं कि 2019 से लेकर अब तक 65 बड़ी परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। यह सारे मामले या तो केन्द्र सरकार के हैं या डबल इंजन सरकार के। अब इसका इलाज सरकार ने क्या ढूंढा? एक एयर फोर्स के जहाजों से पेपर पहुंचाए जाएंगे। खुद धर्मेन्द्र प्रधान केन्द्रीय शिक्षा मंत्री कह रहे हैं कि पेपर लीक बनाने वाले ही कर रहे हैं तो फिर यह एयर फोर्स से पहुंचाने का क्या मतलब? क्या रास्ते में लूटे गए हैं कभी? अरे सेना का ही इस्तेमाल करना था तो उससे पेपर बनवा लेते। वहां मेडिकल कोर (योग्य और प्रतिष्ठित डाक्टरों का विभाग) भी है। मेडिकल की फिर से होने वाली परीक्षा नीट 21 जून के लिए ही यह एयर फोर्स और आर्मी भी इस्तेमाल करने की बात कही है। दूसरे दिल्ली की भाजपा सरकार ने और बड़ी घोषणा की। नीट के लिए जाने वाले परीक्षार्थियों को डीटीसी (दिल्ली की सरकारी बस सेवा) में फ्री यात्रा करने की सुविधा मिलेगी। कैसा मजाक है? मांग रहे हैं कि पेपर लीक न हो, समय पर परीक्षा शुरू हो जाए सरकार कह रही है कि डीटीसी की बस फ्री कर दी। आर्थिक दबाव से मुक्ति का बड़ा उपकार। मीडिया इसे कहती है भाजपा सरकार का गिफ्ट।

केन्द्र व प्रदेश सरकार की विकास योजनाओ की उपलब्धियो पर आधारित प्रदर्शनी का जिलाधिकारी व अध्यक्ष नगर पालिका परिषद ने फीता काटकर किया उद्घाटन- प्रदर्शनी देखने उमड़ा जन सैलाब

❑ प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के सबका साथ सबका विकास तथा अन्त्योदय के संकल्प जमीन पर उतारने का जीवंत उदाहरण है प्रदर्शनी -रत्नाकर मिश्र

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। विधानसभा नगर क्षेत्र के जिला मुख्यालय पर स्थित बी.एल.जे. ग्राउंड महुवरिया में केन्द्र व प्रदेश सरकार की विकासपरक एवं जन कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियो को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग उ.प्र. लखनऊ के द्वारा लगाई गई तीन दिवसीय विकास एवं जन कल्याणकारी प्रदर्शनी का भव्य शुभारम्भ विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी लाल बहादुर सरोज, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मीरजापुर श्याम सुन्दर केसरी ने फीता काटकर भव्य उद्घाटन कर शुभारम्भ किया। उद्घाटन के पश्चात उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियो से वार्ता करते हुए विधायक नगर ने प्रदर्शनी लगाने के उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ सबका विकास तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अन्त्योदय के संकल्प को जमीन पर उतारने का जीवंत उदाहरण यह प्रदर्शनी है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में केन्द्र सरकार की योजनाओ में प्रमुखता आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास, उज्जवला योजना, हर घर नल जल मिशन, एक जनपद एक उत्पाद, मिशन शक्ति, विन्ध्य कारीडोर, अयोध्या राम मन्दिर का विकास, प्रदेश में फोर लेन, सामूहिक विवाह, निराश्रित महिला पेंशन जैसे आदि योजनाओ की सफलता की उपलब्धियो के बारे में बखूबी दर्शाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर कार्य कर रही है। सरकार द्वारा किए गए कार्यो की उपलब्धियो की जानकारी जन-जन जक पहुंचाने के लिए यह प्रदर्शनी विकास यात्रा का आइना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा मिशन शक्ति से बेटियो को सुरक्षा मिली है तो वहीं एक जनपद एक उत्पाद योजना से मिर्जापुर के कालीन पीतल उद्योग को वैश्विक पहचान मिली है। जनपद में शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजकी मेडिकल कालेज, मां विन्ध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय, विन्ध्य कारीडोर, गंगा नदी पर पीपा पुल तथा सिक्स लेन पुल व सड़क आदि विभिन्न क्षेत्रो में कर्य किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक योजना का लाभ पहुचें कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे यह हम सब की जिम्मेदारी है लेकिन वह तभी सम्भव है जब लोगो को योजनाओ के बारे में जानकारी होगी उसी के उद्देश्य से इस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में जिला सूचना अधिकारी ओम प्रकाश उपाध्याय ने विधायक नगर, जिला अध्यक्ष भाजपा, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मीरजापुर व जिलाधिकारी को पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत व अभिनन्दन किया तथा प्रदर्शनी का अवलोकन कराते हुए विस्तृत जानकारी दी। यह प्रदर्शनी 03 जून 2026 के रात्रि 09 बजे तक जन सामान्य के लिए खुला रहेगा। इस अवसर पर जिला महामंत्री रवि शंकर पांडे, जिला महामंत्री स्वामी नाथ सिंह, जिला उपाध्यक्ष हेमंत त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष गौरव उमर, मंडल अध्यक्ष कोन उमेश त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष पश्चिम नितिन विश्वकर्मा, नगर अध्यक्ष पूर्वी श्रीमती डाली अग्रहरि, सभासद सतीश उपाध्याय, सभासद इंद्रजीत सिंह, सभासद कमलेश मौर्य, वीरेन्द्र यादव, मीडिया प्रभारी भाजपा भावेश शर्मा उपस्थित रहें।

सट्टा पर्ची से जुआ खेलने वाले अभियुक्त किया गया को गिरफ्तार

औरैया ब्यूरो। आज दिनांक 30.05.2026 को सट्टा पर्ची से जुआ खेलने वाले एक नफर अभियुक्त विनीत कुमार राजपूत पुत्र स्व तेजराम निवासी मो0 दयालपुर थाना कोतवाली औरैया जनपद औरैया उम्र करीब 34 वर्ष को मुखबिर की सूचना पर पुलिस लाइन मोड से कानपुर की तरफ जाने वाली रास्ते में बनी दुकानो के अन्दर टीन के नीचे से 04 अदद सट्टा पर्ची व 01 अदद पेन व सट्टे मे इस्तेमाल 01 अदद एंड्रायड फोन व 420 रुपये नकद सहित गिरफ्तार किया गया तथा गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 347/2026 धारा 13 जुआ अधि0 पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

सई नदी किनारे आबकारी विभाग की छापेमारी 16 लीटर कच्ची शराब बरामद

उन्नाव। जनपद में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी विभाग को बड़ी सफलता मिली है। शुक्रवार को आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने थाना मौरावां क्षेत्र के ग्राम असरेंदा एवं बरेंदा में सई नदी के किनारे छापेमारी कर 16 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की। इस दौरान मौके पर तैयार किए जा रहे लगभग 300 किलोग्राम महुआ लहन को भी नष्ट कर दिया गया। जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र ने बताया कि आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा लखनऊ जोन के संयुक्त एवं उप आबकारी आयुक्त के निर्देशों के क्रम में जनपद में विशेष प्रवर्तन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत उनके नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक रॉबिन आर्या (रायबरेली), पी.पी. टंडन (क्षेत्र-3 सफीपुर) तथा निशांत सिंह (क्षेत्र-4 पुरवा) की संयुक्त टीम ने मय हमराह थाना मौरावां क्षेत्र में सघन छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान सई नदी के किनारे अवैध रूप से कच्ची शराब बनाने की गतिविधियां संचालित होती मिलीं। टीम ने कार्रवाई करते हुए 16 लीटर कच्ची शराब बरामद की तथा शराब निर्माण में प्रयुक्त लगभग 300 किलोग्राम महुआ लहन को मौके पर ही नष्ट कर दिया।

मामले में आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत एक अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की गई है। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि जनपद में अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी तथा किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आबकारी विभाग ने आमजन से भी अपील की है कि अवैध शराब के संबंध में कोई जानकारी मिलने पर तत्काल विभाग को सूचित करें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद बिलसंडा पहुंचे, पप्पू हत्याकांड में पीड़ितों से मिले, न्याय का भरोसा दिलाया

केंद्रीय राज्य मंत्री और पीलीभीत के सांसद जितिन प्रसाद एक दिवसीय दौरे पर पीलीभीत पहुंचे। उन्होंने बिलसंडा कस्बे में दो दिन पहले हुई कपड़ा व्यापारी पप्पू गुप्ता की हत्या के मामले में मृतक के घर पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात की और शोक संवेदना व्यक्त की। जितिन प्रसाद ने परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने सीओ बीसलपुर विधिभूषण मौर्य से घटना की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम नागेंद्र पाण्डेय से पीड़ित परिवार को मुआवजा दिए जाने के संबंध में भी चर्चा की। जितिन प्रसाद ने बिलसंडा में अन्य शोक संतप्त परिवारों से भी मुलाकात की।

उन्होंने शासन द्वारा नामित सभासद विकेश जायसवाल की माता ऊषा जायसवाल और बिलसंडा के पूर्व चेयरमैन महेश कुमार गुप्ता के पुत्र रोहित गुप्ता के निधन पर उनके घर जाकर परिजनों को सांत्वना दी। इस अवसर पर शाहजहांपुर के एमएलसी डॉक्टर सुधीर गुप्ता, कस्बे के चेयरमैन दिनेश कुमार उर्फ डीके गुप्ता, सुमित गुप्ता, रामू गुप्ता, श्यामू गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए नि:शुल्क कोचिंग हेतु इच्छुक अभ्यर्थी कराए पंजीकरण

औरैया ब्यूरो। जिला समाज कल्याण अधिकारी रविन्द्र कुमार शशि ने अवगत कराया है कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत जनपद में प्रतियोगी परीक्षाओं यू0पी0एस0सी0 / यू0पी0पी0एस0सी0 (सिविल सर्विसेज), नीट तथा एकदिवसीय परीक्षा जैसे यू0पी0एस0एस0एस0सी0, एस0एस0सी0, यू0पी0पी0 इत्यादि हेतु नि:शुल्क कोचिंग के शैक्षणिक सत्र 2026-27 में नवीन अभ्यर्थियों के चयन हेतु निम्नवत समय सारिणी के अनुसार ऑफलाइन आवेदन फॉर्म कोचिंग केन्द्र तिलक महाविद्यालय, औरैया में किसी भी कार्य दिवस में प्रात: 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक प्राप्त एवं जमा कर सकते है या अभ्युदय पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन कर सकते है। आवेदन पत्र प्राप्त करने, जमा करने एवं प्रवेश परीक्षा का विवरण निम्न प्रकार है- आवेदन प्राप्त व जमा करने की तिथि दिनांक 01.06.2026 से 15.06.2026। दस्तावेज प्रमाणीकरण दिनांक 16.06.2026 से 20.06.2026। प्रवेश हेतु काउंसलिंग तथा मेरिट के आधार पर छात्रों के रजिस्ट्रेशन पूर्ण करने की तिथि दिनांक 20 .06.2026 से 25.06.2026। कोचिंग सत्र का संचालन 01.07.2026 से। पंजीयन हेतु योग्यता- सिविल सेवा / पी0सी0एस0 / यू0पी0एस0एस0एस0सी0 स्नातक अन्तिम वर्ष अथवा स्नातक उत्तीर्ण छात्र/छात्रायें अन्य शैक्षिक अर्हतायें भी सम्बन्धित प्रतियोगी परीक्षा के अनुरूप होगी। एन0 डी0ए0/ बैंकिंग / एस0एस0सी0/रेलवे/यू0पी0 पुलिस एवं अन्य एकदिवसीय परीक्षायें, सम्मुख लिखित परीक्षाओं की शैक्षिक अर्हतायें भी सम्बन्धित प्रतियोगी परीक्षा के अनुरूप होगी। नीट एवं जे0ई0ई0, कक्षा 11 व 12 में अध्ययनरत अथवा उत्तीर्ण विज्ञान वर्ग के छात्र पात्र होगे। नोट- प्रशिक्षण केन्द्र पर किसी भी उक्त कोर्स के संचालन के लिए न्यूनतम उपस्थिति छात्र संख्या 30 होना अनिवार्य है यदि परिणाम के बाद छात्र संख्या 30 या 30 से अधिक नही होती है तो इस स्थिति में कोर्स का संचालन नही किया जायेगा। जनपद के छात्र/छात्राओं को अगामी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत नि:शुल्क कोचिंग हेतु ऑफलाइन पंजीकरण करने के लिए इच्छुक अभ्यर्थी ऑफलाइन आवेदन फार्म मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग केन्द्र तिलक महाविद्यालय, औरैया से प्राप्त एवं जमा कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए निम्न सम्पर्क केन्द्र मे सम्पर्क किया जा सकता है- अर्जुन द्विवेदी प्रभारी कोर्स-को-ऑर्डिनेटर मो0-7505770423, राज किशोर सिंह, कम्प्यूटर ऑपरेटर मो0-8923764768 से सम्पर्क कर सकते है।

सड़क हादसे में नव विवाहिता की दर्दनाक मौत, जबकि ननद गंभीर रूप से घायल

उन्नाव। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में नवविवाहिता की मौत हो गई। जबकि उसकी ननद गंभीर रूप से घायल हो गई। यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा घायल ननद को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। ग्राम गौरिया कला निवासी सूरज (26) पुत्र राजू अपनी पत्नी लक्ष्मी (22) तथा बहन शुभांगी (16) को बाइक पर बैठाकर आज शनिवार की सुबह बरगदिया बाबा मंदिर में दर्शन करने जा रहा था। तभी रास्ते में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के संडीला रोड अंडरपास के समीप सामने से तेज गति आ रहे अनियंत्रित ट्रैक्टर ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची सरकारी एंबुलेंस तीनों घायलों को यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाई। जहां चिकित्सकों ने नवविवाहिता लक्ष्मी को मृत घोषित कर दिया। वहीं शुभांगी की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जबकि बाइक चला रहे सूरज को मामूली चोटें आईं। जानकारी के अनुसार सूरज और लक्ष्मी का विवाह बीते 20 फरवरी 2026 को हुआ था। शादी के महज तीन माह बाद हुए इस हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। बेहटा पुलिस दुर्घटना में शामिल ट्रैक्टर को हिरासत में लेकर घटना की जांच शुरू कर दी है।

उन्नाव पुलिस का बड़ा खुलासा

ट्रक चालक को घायल कर 77 फ्रिज और 40 एसी लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार

उन्नाव। उन्नाव पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए ट्रक चालक को घायल कर लाखों रुपये मूल्य के 77 फ्रिज और 40 स्प्लिट एसी लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरोह के सरगना समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटा गया अधिकांश माल बरामद कर लिया है। इस सराहनीय कार्य के लिए पुलिस टीम को एक लाख रुपये के पुरस्कार की घोषणा की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव के निर्देशन में एसओजी, सर्विलांस और थाना अजगैन पुलिस की संयुक्त टीम ने घटना का सफल अनावरण किया। पुलिस के अनुसार, कानपुर निवासी ट्रांसपोर्ट व्यवसायी राजेश कुमार गुप्ता की तहरीर पर थाना अजगैन में 28 मई को लूट का मुकदमा दर्ज किया गया था।

चालक को घायल कर ट्रक लेकर फरार हुए बदमाश

जानकारी के अनुसार 25 मई की रात लगभग 11 बजे ट्रक चालक नीरज कुमार आशाखेड़ा क्षेत्र से गोदरेज कंपनी के फ्रिज और एसी लादकर कानपुर के लिए रवाना हुआ था। कुछ समय बाद ट्रक की जीपीएस लोकेशन संदिग्ध रूप से लखनऊ की ओर जाती दिखाई दी। इसके बाद जीपीएस सिग्नल बंद हो गया। तलाश करने पर चालक नीरज कुमार टोल प्लाजा के पास घायल अवस्था में मिला, जबकि ट्रक और उसमें लदा माल गायब था।

सीसीटीवी और सर्विलांस से खुली साजिश की परतें

घटना की जांच में जुटी पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जांच के दौरान पता चला कि ट्रक के असली नंबर एनएल-01 एएच-7041 में छेड़छाड़ कर उसे एनई-01 एएच-7044 बना दिया गया था ताकि पुलिस को गुमराह किया जा सके। आरोपियों ने टोल प्लाजा पर नकद भुगतान किया था जिससे उनकी पहचान छिपी रहे। पुलिस ने ट्रक की आवाजाही का पीछा करते हुए पाया कि वाहन पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे की ओर गया था। इसी दौरान सर्विलांस टीम ने दो मोबाइल नंबरों की लोकेशन ट्रेस की, जो ट्रक की मूवमेंट से मेल खा रही थी। दोनों नंबरों की अंतिम लोकेशन कुशीनगर जिले के कसया स्थित स्वास्तिक ढाबे पर मिली।

ढाबे पर घेराबंदी कर दबोचे आरोपी

पुलिस टीम ने स्वास्तिक ढाबे पर पूरी रात निगरानी रखी। टोल प्लाजा से प्राप्त फोटो का मिलान करने के बाद पुलिसकर्मियों ने ग्राहक बनकर ढाबे में प्रवेश किया और संदिग्धों की पहचान पक्की होने पर दबिश देकर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि लूटे गए 44 फ्रिज कसया स्थित रोशनी इलेक्ट्रॉनिक्स को बेचे गए थे। पुलिस ने दुकान से 32 फ्रिज बरामद कर लिए, जबकि 12 फ्रिज बिना बिल के आगे बेच दिए गए थे। कार्रवाई के दौरान कुल 47 फ्रिज और 40 स्प्लिट एसी बरामद किए गए।

बिहार से बरामद हुआ लूटा गया ट्रक

आरोपियों की निशानदेही पर लूटा गया कंटेनर ट्रक बिहार के मोतिहारी जिले में स्थित हिंदुस्तान पेट्रोल पंप, शुकुल पाकड़ क्षेत्र से बरामद किया गया।

मुख्य आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि गिरोह का मुख्य सदस्य छोट्टन चौधरी किसी अन्य वारदात को अंजाम देने गया हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। देर रात चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के सामने गुरुद्वारा रोड पर एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी। बाद में उसकी पहचान बिहार के मोतिहारी निवासी छोट्टन चौधरी के रूप में हुई, जो इस लूटकांड का मुख्य आरोपी निकला।

गिरफ्तार आरोपी

पुलिस ने जिन पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उनमें स्वास्तिक ढाबा संचालक विवेक मिश्रा, विकास वाल्मीकि, राजू उर्फ बलिराम सिंह, रोशनी इलेक्ट्रॉनिक्स के मालिक अविनाश सिंह तथा मुख्य आरोपी छोट्टन चौधरी शामिल हैं।

बरामदगी

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया कंटेनर ट्रक, 47 फ्रिज, 40 स्प्लिट एसी तथा एक अवैध .315 बोर तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। बरामद माल की कुल संख्या 127 बॉक्स बताई गई है।

नहीं मिला कोई आपराधिक इतिहास

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ, सीसीटीएनएस रिकॉर्ड और संबंधित थानों से जानकारी लेने पर इनके खिलाफ पूर्व में किसी आपराधिक मामले का रिकॉर्ड नहीं मिला है।

पुलिस टीम को मिला एक लाख रुपये का पुरस्कार

घटना के सफल अनावरण पर पहले पुलिस अधीक्षक उन्नाव ने 25 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया था। बाद में पुलिस महानिरीक्षक लखनऊ रेंज ने इसे बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दिया। अंतत: अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ जोन ने पुरस्कार राशि बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी। उन्नाव पुलिस की इस कार्रवाई को हाल के दिनों में जिले की सबसे बड़ी लूट के सफल खुलासों में से एक माना जा रहा है, जिसमें तकनीकी सर्विलांस, सीसीटीवी विश्लेषण और सटीक पुलिस कार्रवाई की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दहेज हत्या के वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बांगरमऊ, उन्नाव। दहेज हत्या के मामले में वांछित चल रहे पति को कोतवाली पुलिस ने घटना के 15 दिन बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था तथा दिल्ली और जयपुर में रहकर अलग-अलग सिम कार्ड का इस्तेमाल कर रहा था। शनिवार को वह बांगरमऊ से कानपुर भागने की फिराक में था। तभी मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उसे धर दबोचा। कोतवाली पुलिस के मुताबिक उपनिरीक्षक सुरेंद्र यादव को सूचना मिली कि दहेज हत्या के मुकदमे में नामजद आरोपी शीबू पुत्र इस्लामुद्दीन, निवासी मोहल्ला हटिया, कल्याणी नदी पुल के निकट वाहन की तलाश में खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक पूछताछ और कानूनी कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। गौरतलब है कि कानपुर नगर के थाना चकेरी अंतर्गत निहुरा श्याम नगर निवासी रफीक की पुत्री कायनात का विवाह नगर के मोहल्ला हटिया निवासी शीबू पुत्र इस्लामुद्दीन के साथ हुआ था। बीती 15 मई को कायनात का शव उसके ससुराल स्थित घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। घटना की सूचना मृतका के देवर मोनू ने पुलिस को दी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में जीवित अवस्था में फांसी लगने से दम घुटने के कारण मृत्यु होने की पुष्टि हुई थी। इसके बाद मृतका के भाई कैफ ने कोतवाली में पति शीबू, देवर मोनू व नदीम तथा ननद रुही के विरुद्ध दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद से सभी आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस अब मामले के अन्य नामजद आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

कबीर पंथ की शिक्षाओं और अम्बेडकर मिशन की मजबूती के लिए आजीवन समर्पित रहे समाज कर्मी राम देव भजनी

अमेठी। कबीर पंथ की शिक्षाओं और अम्बेडकर मिशन की मजबूती के लिए आजीवन समर्पित रहे समाज कर्मी राम देव भजनी-70ने संसार से नाता तोड लिया है। शनिवार की सुबह उनका निधन हो गया।वे कई दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। रामदेव भजनी के निधन से गंगौली और अमेठी में सामाजिक कार्यकर्ताओं के बीच शोक की लहर दौड़ गई हैं। अनपढ़ होने के बाद भी रामदेव भजनी की छवि एक प्रखर कबीर पंथी सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में थी। बहुजन समाज पार्टी की गतिविधियों के साथ वे सिरमौर बुद्ध विहार की प्रबंध समिति और धार्मिक कार्यक्रमों से आजीवन जुड़े रहे। बामसेफ के जिला संयोजक और वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता संजीव भारती ने कहा कि रामदेव भजनी के निधन से बहुजन समाज ने एक अच्छा सामाजिक कार्यकर्ता खो दिया है। कबीर पंथ से जुड़े रहने के साथ वे भगवान बुद्ध और बाबा साहब डॉ अम्बेडकर की शिक्षाओं के प्रति समर्पित रहे। उनकी सामाजिक सेवाएं कभी भुलाई नहीं जा सकती। बसपा के पूर्व जिला प्रभारी और अम्बेडकर सेवा समिति के जिला अध्यक्ष संजय कुमार शास्त्री, वरिष्ठ बसपा कार्यकर्ता चौधरी बेचू,राम चन्द्र बौद्ध,राम चन्द्र सरस, बौद्धाचार्य बैरागी राम भारती, ध्रुव राज,ललित कुमार,श्याम लाल, डॉ नन्हे लाल, राजेश अकेला,बसपा के विधानसभा प्रभारी शमशेर बौद्ध, श्याम कुमार, मोती लाल, पूर्व प्रधान रामजश यादव, आनंद यादव,प्रधान प्रतिनिधि बबलू यादव, फूलचंद बौद्ध,त्रिभुवन यादव, त्रिभुवन दत्त, किशुन पाल, सुनील कुमार, बृजेश कुमार, एडवोकेट कुल रोशन, प्रमोद कुमार,सचेन्द्र कुमार,राम प्रताप बौद्धाचार्य, रमेश कुमार कोरी,हरी लाल कोरी, फूलचंद दाढ़ी,त्रिभुवन गौतम, दीपक शाक्य, सूरज भारती, सूर्यबली गौतम आदि ने निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

पीलीभीत में कार को रस्सी से खींचकर जताया विरोध: सपा ने महंगाई-बिजली संकट के खिलाफ किया प्रदर्शन

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी ने बढ़ती महंगाई और उत्तर प्रदेश में गहराए बिजली संकट के खिलाफ सरकार के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेशव्यापी आह्वान के तहत एक अनोखा प्रदर्शन किया। इस दौरान सपाईयों ने सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरोध में कार को रस्सी से खींचकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। शनिवार दोपहर को सपा के केजीएन कॉलोनी स्थित जिला कार्यालय पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता इकट्ठे हुए। प्रदर्शन का नेतृत्व सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने किया। पार्टी कार्यालय से शुरू हुआ यह जुलूस शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचा। रास्ते भर कार्यकर्ता हाथों में तख्तियां और बैनर थामे सरकार विरोधी नारे लगाते कार को रस्सी से खींचने का यह दृश्य राहगीरों के लिए भी कौतूहल का विषय बना रहा। कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने कहा कि आज देश और प्रदेश की जनता महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी से बुरी तरह त्रस्त है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ÷पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के दाम आम आदमी के बजट से बाहर हो चुके हैं। यही वजह है कि आज हमें कार को रस्सी से खींचकर यह दिखाना पड़ रहा है कि गाड़ियां अब शोपीस बनकर रह गई हैं। सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की जनता परेशान है। इसके साथ ही, किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। सपाइयों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द ही इन जनविरोधी नीतियों को वापस नहीं लिया और महंगाई व बेरोजगारी पर लगाम नहीं लगाई, तो समाजवादी पार्टी सड़क से संसद तक अपने आंदोलन को और अधिक उग्र करेगी। प्रदर्शन के अंत में महामहिम राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन भी प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा गया।

असम के कामरूप जिले में मानव-हाथी संघर्ष पर विशेष मुख्य सचिव की समीक्षा बैठक

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। कामरूप जिले के पलाशबाड़ी और बको-छयगांव समेत सह-जिला क्षेत्रों में बढ़ते मानव-हाथी संघर्ष की घटनाओं पर सोमवार को कामरूप जिले के अमिनगांव स्थित संयुक्त जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता असम सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के विशेष मुख्य सचिव एम.के. यादव ने की। बैठक में पलाशबाड़ी के विधायक हिमांशु शेखर बैश्य भी उपस्थित रहे।बैठक में सम-जिला प्रशासन, वन विभाग और सुरक्षा तथा स्थानीय प्रतिनिधियों सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। उपस्थित प्रमुख अधिकारियों में निचले असम सामाजिक वनानिकी वृत के प्रभारी वन संरक्षक सनीदेउ इंद्रदेउ चौधुरी, कामरूप जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा, अतिरिक्त जिला आयुक्त प्रांजित कुमार देव, पलाशबाड़ी सम-जिला आयुक्त भास्कर ज्योति कलिता, बको-छयगांव सम-जिला आयुक्त प्रियांशु भारद्वाज और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुनम पेगु शामिल थे। साथ ही संबंधित वृतों के अधिकारी-कर्मचारी और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक में उन क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति का

सम्यक् आकलन किया गया जहाँ हाथियों के आने-जाने से फसलों के नुकसान, संपत्ति क्षति और मानव जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव दर्ज हुए हैं। उपस्थित अधिकारियों ने इस समस्या के तेज़ी से बढ़ते प्रभाव को देखते हुए तत्काल तथा दीर्घकालिक दोनों तरह के उपायों पर विस्तृत चर्चा की। चर्चा के मुख्य बिंदु निम्नलिखित रहे-चेतावनी और अलर्ट व्यवस्था को सुदृढ़ करना ताकि गांवों को समय पर सूचित किया जा सके। 1. वन विभाग, जिला प्रशासन और स्थानीय समुदायों के बीच समन्वय बढ़ाना। 2. जनता में जागरूकता फैलाने हेतु कार्यक्रम और प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना। 3. हाथियों की गतिशीलता पर नजर रखने के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित उपायों (जैसे जीपीएस ट्रैकिंग/मानिटरिंग) अपनाने पर बल। 4. संवेदनशील क्षेत्रों में सोलर-फेंसिंग (सौर स्नान द्वारा चलने वाली बाड़) लगाने और पर्यवेक्षण टावर (वॉच टावर) निर्माण की योजना। 5. मानव-हाथी संघर्ष से प्रभावित लोगों को तत्काल मुआवजा और आपातकालीन सहायता प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के उपाय। जिला आयुक्त देव कुमार मिश्रा ने स्वागत भाषण में कहा कि प्रशासन का प्राथमिक लक्ष्य मानव-हाथी संघर्ष में होने वाली जनहानि व संपत्ति क्षति को यथासंभव घटाना है। उन्होंने बताया कि संघर्ष-प्रवण क्षेत्रों में हाथी के आवागमन पर नियंत्रण और निगरानी लागू करने के लिए सोलर फेंसिंग एवं वॉच टावर जैसी संरचनात्मक योजनाओं को लागू करने की रूपरेखा बनाई जा रही है। विशेष मुख्य सचिव एम.के. यादव ने कहा कि इस समस्य का स्थायी समाधान केवल वन संरक्षा और मानव सुरक्षा के बीच संतुलित, समन्वित और दीर्घकालिक नीति से ही संभव है। उन्होंने जंगल के संरक्षण व प्राकृतिक आवास की सुरक्षा के महत्व के साथ-साथ स्थानीय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भी समान रूप से जोर दिया।बैठक में उपस्थित सभी पक्षों ने मानव और हाथियों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अधिक जनसहभागिता, वैज्ञानिक-आधारित प्रबंधन और अंतर-विभागीय सहयोग की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। अधिकारियों ने कहा कि शीघ्र ही इन सिफारिशों के क्रियान्वयन के लिए चरणबद्ध कार्ययोजना जारी की जाएगी ताकि प्रभावित क्षेत्रों में होने वाली घटनाओं को कम किया जा सके और दोनों — मानव तथा वन्यजीवों — की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार महिला की मौत, आक्रोशित ग्रामीणों ने लगाया जाम

❑ परिजनों के साथ अभद्रता के आरोप में करमा चौकी प्रभारी निलंबित

संवाददाता

करमा, प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के करमा बाजार स्थित पटेल चौराहे के समीप सोमवार दोपहर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की ट्रक की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और परिजनों के बीच हुई तीखी नोकझोंक के बाद करमा चौकी प्रभारी पर अभद्रता और मारपीट के आरोप लगे, जिस पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, छीड़ी बारा गांव निवासी रेखा देवी सोनकर (45) पत्नी फूलचंद सोनकर अपने पुत्र आकाश कुमार सोनकर (20) के साथ बाइक से नैनी दवा लेने जा रही थीं। जैसे ही उनकी बाइक करमा चौकी क्षेत्र के पटेल चौराहे के पास स्थित केसी धर्मकांटा के समीप पहुंची, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में रेखा देवी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनका पुत्र बाल-बाल बच गया। दुर्घटना के बाद चालक ट्रक लेकर भागने का प्रयास कर रहा था, लेकिन स्थानीय लोगों ने पीछा कर ट्रक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंच गए। महिला की मौत से गुस्साए लोगों ने सड़क पर चक्का जाम कर ट्रक चालक की गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मौके पर पहुंचे करमा चौकी प्रभारी और मृतका के परिजनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि चौकी प्रभारी ने परिजनों के साथ अभद्र व्यवहार किया तथा मारपीट भी की। इससे ग्रामीणों का आक्रोश और बढ़ गया और उन्होंने चौकी प्रभारी का घेराव कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कुछ समय के लिए स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान, एसीपी बारा वेदव्यास मिश्रा और एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह समेत घूरपुर, बारा, शंकरगढ़ और कौंधियारा थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन वरिष्ठ अधिकारियों को बुलाने की मांग पर अड़े रहे। बाद में एडिशनल एसपी विजय आनंद और उपजिलाधिकारी करछना तपन कुमार मिश्रा मौके पर पहुंचे। उन्होंने दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त कर दिया। उधर, करमा चौकी प्रभारी राजेश कुमार राय के खिलाफ अभद्रता और मारपीट की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए डीसीपी यमुनानगर ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। घूरपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मरीजों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए प्रधानाचार्य ने चखा अस्पताल का खाना

संवाददाता

मोतीलाल। नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय के प्रधानाचार्य डॉ. ए.के. वर्मा ने रविवार को अस्पताल में भर्ती मरीजों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वयं मरीजों के लिए तैयार भोजन का स्वाद चखकर उसकी गुणवत्ता, स्वच्छता एवं पोषण स्तर का परीक्षण किया। निरीक्षण के समय उप प्रधानाचार्य डॉ. मोहित जैन, मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जितेंद्र शुक्ला, डॉ अभिषेक प्रताप सिंह, डॉ.अनिल सिंह, डॉ.सूर्यकांत ओझा,डॉ. अमित सिंह, मुख्य आहार विशेषज्ञ कौशन जहां तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य ने भोजन वितरण व्यवस्था, रसोई की साफ-सफाई एवं मरीजों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मरीजों को निर्धारित मानकों के अनुरूप ताजा, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। डॉ. ए.के. वर्मा ने कहा कि मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में दवाओं के साथ-साथ संतुलित एवं गुणवत्तापूर्ण आहार की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए भोजन व्यवस्था की नियमित निगरानी की जाएगी और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अस्पताल प्रशासन के अनुसार मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समय-समय पर इस प्रकार के औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे।

भव्य फूल बंगले में विराजे ठाकुर श्रीराधा रमण लाल जू महाराज

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

वृन्दावन। श्रीधाम वृन्दावन के प्राचीन सप्त देवालयों में से एक विश्वप्रसिद्ध ठाकुर श्रीराधा रमण मंदिर में पुरुषोत्त मास के पावन अवसर पर चल रहे सेवा महोत्सव के अंतर्गत ठाकुर श्रीराधा रमण लाल जू महाराज को भव्य फूल बंगले में विराजित किया गया।साथ ही मन्दिर के सेवायत आचार्य पद्म लोचन गोस्वामी महाराज के द्वारा उनका अत्यन्त नयनाभिराम व चित्ताकर्षक श्रृंगार करके उन्हें 56 भोग और शीतल पदार्थों के भोग लगाए गए। मन्दिर के सेवायत आचार्य पद्म लोचन गोस्वामी महाराज ने कहा कि हमारे परमाराध्य ठाकुर श्रीराधा रमण लाल जू महाराज का यह दिव्य मन्दिर गौड़ीय वैष्णव संप्रदाय के मुख्य और श्रीधाम वृन्दावन के सबसे प्राचीन सात मंदिरों में से एक है।यहां चैतन्य महाप्रभु के प्रिय शिष्य श्रीगोपाल भट्ट गोस्वामी महराज के सेव्य ठाकुर श्रीराधा रमण लाल जू महाराज विद्यमान हैं।जिनकी सेवा वात्सल्य भाव से की जाती है।यहां आने वाले भक्तों-श्रद्धालुओं के सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं।साथ ही ठाकुर श्रीराधा रमण लाल जू महाराज उनके सभी कष्ट हर लेते हैं। इस अवसर पर देश के विभिन्न प्रांतों के अलावा विदेशों तक से आए असंख्य दर्शनार्थियों ने ठाकुरजी के दर्शन कर पुण्य अर्जित किया। महोत्सव में मनीषा गोस्वामी, विदुषी गोस्वामी, समीक्षा गोस्वामी, प्रख्यात साहित्यकार 卐यूपी रत्न卐 डॉ. गोपाल चतुर्वेदी, डॉ. राधाकांत शर्मा, मधुर निमाई, उमेश सक्सेना, आरती शर्मा, मालविका पांडे, राज कुमार शर्मा, आरती खेत्रपाल, अनीता खेत्रपाल, रूपाली अग्रवाल, डॉ. ऋचा नाग, पुनीता सिंह, मोहिनी, कंचन शर्मा, त्रिपुरी शरण आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सेरेब्रल विजुअल इम्पेयरमेंट (सीवीआई) पर मेडिकल एजुकेशन कार्यशाला का सफल आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

मथुरा। होटल अभिनंदन में बीएचआरसी-डॉ. श्रॉफ आई केयर इंस्टीट्यूट द्वारा बच्चों में होने वाली गंभीर न्यूरोलॉजिकल दृष्टि समस्या सेरेब्रल विजुअल इम्पेयरमेंट (सीवीआई) विषय पर मेडिकल एजुकेशन कार्यशाला का आयोजन डॉ. एनसी प्रजापति एवं डॉ. मीना सूद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।जिसमें जनपद के प्रमुख न्यूरोलॉजिस्ट एवं बाल रोग विशेषज्ञों ने भाग लेकर विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य वक्ताओं डॉ. सोविता राठ, डॉ. अनीजा नागपाल, डॉ. प्रवीण सिंह, डॉ. पंकज जैन एवं डॉ. रास बिहारी पांडेय ने बताया कि सीवीआई ऐसी स्थिति है, जिसमें आँखें स्वस्थ होने के बावजूद मस्तिष्क दृश्य जानकारी को सही ढंग से समझ नहीं पाता। उन्होंने समय पर पहचान और हस्तक्षेप के महत्व पर जोर दिया। डॉ. सोविता राठ ने सीवीआई के प्रमुख लक्षणों तथा विजुअल रिहैबिलिटेशन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सही समय पर उचित थेरेपी से प्रभावित बच्चों के जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार संभव है।

नाबालिग छात्रा के लापता होने से परिवार में मचा हड़कंप, युवक पर बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बिजनौर। राजधानी के बिजनौर थाना क्षेत्र से एक नाबालिग छात्रा के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिवार में हड़कंप मचा हुआ है। पीड़िता की मां ने थाना बिजनौर में तहरीर देकर एक युवक पर बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बिजनौर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनकी 17 वर्षीय पुत्री स्थानीय विद्यालय में कक्षा 12 की छात्रा है। आरोप है कि 29 मई की दोपहर करीब तीन बजे छात्रा अचानक घर से बिना बताए कहीं चली गई। काफी देर तक घर वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। पीड़िता की मां का आरोप है कि लखीमपुर खीरी निवासी एक युवक उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। परिजनों का कहना है कि दोनों के बीच पहले से बातचीत होती थी, जिसकी जानकारी उन्हें बाद में मिली। घटना के बाद से परिवार काफी परेशान है और लगातार बेटी की तलाश में जुटा हुआ है। मामले की जानकारी मिलने के बाद थाना बिजनौर पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि छात्रा की बरामदगी के लिए टीम गठित की गई है

श्री लालाराम आदर्श इंटर कॉलेज के मेधावियों का हुआ भव्य सम्मान

❑ विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर हुई जमकर सराहना ❑ ग्रामीण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता - सांसद

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। शिक्षा क्षेत्र रुदौली के श्री लालाराम आदर्श इंटर कॉलेज एवं श्री साहब सरन स्मारक प्राइवेट आईटीआई,नरौली रुदौली में मेधावियों का सम्मान समारोह व पुरस्कार वितरण एवं निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों,अभिभावकों व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन सहायक अध्यापक महिप कुमार ने किया। समारोह में फैजाबाद अयोध्या के लोक प्रिय सांसद अवधेश प्रसाद,पूर्व विधायक अब्बास अली जैदी रुश्दी मियां,विधायक राम चंद्र यादव,हीरालाल यादव,दिनेश पाल यादव,सत्यवीर सिंह,हरिओम यादव,उमा प्रसाद यादव,सुल्ताना बानो,पूर्व प्रधान राम बहादुर यादव,श्री मूलराज यादव, एसडीएम संतोष कुमार, थाना प्रभारी मवई मनोज कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। समारोह के दौरान यूपी बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिला स्तर पर नाम रोशन करने वाली छात्राएं पल्लवी कौशल, रूपाली यादव व निराली यादव को सांसद एवं विधायक द्वारा

प्रशस्ति पत्र एवं टैबलेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाली छात्राओं का उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट से उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। देशभक्ति,शिक्षा एवं सामाजिक जागरूकता पर आधारित प्रस्तुतियों को अतिथियों ने खूब सराहा। सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था, अनुशासन एवं प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि संस्था विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सराहनीय कार्य कर रहा है। इसी क्रम में उन्होंने विद्यालय के विकास और संसाधनों को सुदृढ़ बनाने के लिए सांसद निधि से 10 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की, जिस पर उपस्थित लोगों ने जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया। विधायक राम चंद्र यादव ने विद्यालय प्रबंधन,शिक्षक टीम एवं प्रबंधक राकेश यादव की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि संस्था ग्रामीण क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट कार्य कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विद्यालय और क्षेत्र की जरूरतों के लिए वह सदैव सहयोग के लिए तैयार रहेंगे। पूर्व विधायक रुश्दी मियां ने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के विकास का सबसे मजबूत आधार है,मेधावी छात्र-छात्राएं अपने कठिन परिश्रम,अनुशासन और लगन के बल पर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधक राकेश यादव ने सभी अतिथियों,अभिभावकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने समारोह में प्रतिभाग करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। साथ ही क्षेत्र के पत्रकार बंधुओं को भी सम्मानित कर उनके योगदान की सराहना की। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में आए लोगों का चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श एवं दवाएं उपलब्ध कराई गईं। इस अवसर पर मैनेजर रेनू यादव,राकेश मोहन,कालिका प्रसाद यादव,दिवाकर मिश्रा,सुरेन्द्र यादव,कपिल श्रीवास्तव,ज्वाला यादव,संदीप मौर्य,अनान्द यादव,संतोष राजपूत,विनय कुमार,सुधाकर यादव, विनोद यादव,बैजनाथ,निशा श्रीवास्तव, नीलम श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसरा में मेडिकल के दौरान दो पक्षों में मारपीट, मरीजों में मची अफरा-तफरी

संवाददाता

जसरा, प्रयागराज। बारा थाना क्षेत्र के पांडर गांव के मजरा कालका का पूरा में हुए विवाद के बाद मेडिकल परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसरा लाए गए दो पक्षों के बीच सोमवार को एक बार फिर जमकर मारपीट हो गई। अस्पताल परिसर में करीब आधे घंटे तक चले हंगामे से मरीजों और तीमारदारों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, सोमवार को कालका का पूरा गांव में किसी बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। घटना के बाद दोनों पक्ष शिकायत लेकर बारा थाने पहुंचे। पुलिस ने दोनों पक्षों का चिकित्सीय परीक्षण कराने के लिए दो होमगार्डों के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसरा भेजा। बताया जाता है कि मेडिकल प्रक्रिया चल ही रही थी कि एक पक्ष के कुछ अन्य लोग भी अस्पताल पहुंच गए। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई और देखते ही देखते मामला फिर से मारपीट में बदल गया। अस्पताल परिसर में हुई इस घटना से वहां मौजूद मरीजों और उनके परिजनों में दहशत फैल गई तथा कुछ देर के लिए स्वास्थ्य केंद्र का माहौल तनावपूर्ण हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर हमला करते रहे, जबकि मेडिकल कराने आए पुलिसकर्मी दूर खड़े होकर स्थिति देखते रहे। घटना के दौरान अस्पताल में मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। मारपीट में एक पक्ष से रिशु सोनकर (16), राजू सोनकर (21) एवं रोशनी सोनकर (17) तथा दूसरे पक्ष से सुधीर सोनकर (25) और सुनील सोनकर (35) घायल बताए गए हैं। सभी का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। घटना के बाद स्वास्थ्य केंद्र परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

राइजिंग सरोजिनीनागर बनेगा न्यू लखनऊ का ग्रोथ इंजन, विकास और आधुनिक शहरीकरण की नई पहचान- डॉ. राजेश्वर सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लखनऊ तेजी से देश के प्रमुख आर्थिक, इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश केंद्रों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। बेहतर कानून-व्यवस्था, पारदर्शी शासन प्रणाली और निवेशक हितैषी नीतियों के चलते राजधानी अभूतपूर्व विकास की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राइजिंग सरोजिनीनागर अब न्यू लखनऊ के ग्रोथ इंजन और विकसित भारत के अर्बन फ्यूचर के मजबूत केंद्र के रूप में उभर रहा है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2021 से 2026 के बीच लखनऊ की अर्थव्यवस्था ?58,762 करोड़ से बढ़कर लगभग ?2.29 लाख करोड़ तक पहुंच गई है। यह परिवर्तन लखनऊ को देश की 12वीं सबसे बड़ी शहरी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि बीते 12 वर्षों में म्यूचुअल फंड निवेश में लगभग 10 गुना वृद्धि हुई है, जो निवेशकों के बढ़ते विश्वास और शहर की आर्थिक क्षमता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि सरोजनीनगर क्षेत्र में कई बड़ी और महत्वाकांक्षी परियोजनाएं तेजी से आकार ले रही हैं। वृंदावन योजना में आधुनिक बस टर्मिनल एवं बिजनेस सेंटर के निर्माण के लिए पांच बड़ी कंपनियों ने रुचि दिखाई है। लगभग ?530 करोड़ की इस परियोजना से व्यापार, निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे तथा स्थानीय

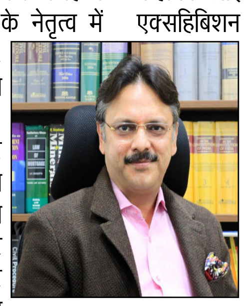

अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि आई सिटी , भारत का सबसे बड़ा कान्वेंशन एंड एक्सहिबिशन सेंटर और इंटेग्राटेड ट्रांसपोर्ट हब जैसी परियोजनाएं सरोजनीनगर को उत्तर भारत के प्रमुख कमर्शियल और टेक्नोलॉजी हब के रूप में विकसित करेंगी। उन्होंने कहा कि राइजिंग सरोजिनीनागर केवल एक विजन नहीं, बल्कि तेजी से बदलती विकास गाथा है, जो आने वाले समय में पूरे प्रदेश के लिए मिसाल बनेगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में हो रहे बड़े निवेश का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि ?1,400 करोड़ की लागत से मैक्स हेअल्थीकारे का 712 बेड वाला सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और ?855 करोड़ की लागत से राम मनोहर लोहिया संस्थान के नए परिसर का निर्माण किया जा रहा है। इससे नागरिकों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन, ररतस , मेट्रो विस्तार, ऑर्बिटल रेलवे कॉरिडोर और आधुनिक बस टर्मिनल जैसी परियोजनाएं भविष्य की कनेक्टिविटी को नई दिशा देंगी। वहीं गोमती बायोडायवर्सिटी पार्क में विकसित हो रहा प्रदेश का पहला जीन बैंक पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगा। डॉ. राजेश्वर सिंह ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में सरोजनीनगर विकास, तकनीक, निवेश, रोजगार और आधुनिक शहरीकरण का ऐसा मॉडल बनेगा, जिस पर पूरा उत्तर प्रदेश गर्व करेगा।

रिस्तेदारो ने की बुजुर्ग की चापड़ से हत्या, शव रखकर परिजनों ने किया सड़क जाम

संवाददाता

घूरपुर, प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के करमा चौकी अंतर्गत चकिया डेरा करमा गांव में रविवार देर रात एक व्यक्ति की चापड़ से हमला कर निर्मम हत्या कर दी गई। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सोमवार शाम पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचने पर आक्रोशित परिजनों ने गौहनिया-करछना मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया और आरोपियों की गिरफ्तारी, कड़ी कार्रवाई तथा आर्थिक सहायता की मांग करने लगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चकिया डेरा करमा निवासी तिलकधारी भारतीय (55) पुत्र स्वर्गीय रामदुलार भारतीय की रविवार रात करीब दो बजे धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। मृतक की पत्नी शिमला देवी ने आरोप लगाया है कि गांव के ही उनके चचेरे रिश्तेदार गंगालाल भारतीय तथा उसके बेटों ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया। शिमला देवी के अनुसार, कुछ दिन पूर्व उनके देवर अर्जुन के पुत्र द्वारा गंगालाल की बेटी को लेकर घर से चले जाने के मामले को लेकर दोनों पक्षों में विवाद चल रहा था। इस संबंध में करमा चौकी में शिकायत भी की गई थी। उनका आरोप है कि इसके बाद कई बार जान से मारने की धमकी दी गई थी। हालांकि गांव के कुछ लोगों के हस्तक्षेप से दोनों पक्षों के बीच समझौते का प्रयास भी हुआ था। परिजनों का आरोप है कि रविवार रात करीब दो बजे गंगालाल और उसके पुत्र घर पहुंचे तथा सो रहे तिलकधारी पर चापड़ से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर चोटों के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गए। मृतक अपने पीछे पत्नी, पांच बेटियां और दो बेटे छोड़ गए हैं। इनमें तीन बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि दो बेटियां और दो बेटे अभी अविवाहित हैं। घटना के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। शिमला देवी और उनकी बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी घूरपुर अतुल कुमार मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश शुरू कर दी है। सोमवार शाम पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचते ही परिजनों और ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। उन्होंने गौहनिया-करछना मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया। जाम की सूचना पर घूरपुर, कौंधियारा और बारा थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को कार्यवाही करने का आश्वासन देते हुए समझाने-बुझाने का प्रयास कर रहे थे लेकिन परिजन मुआवजे और आरोपियों के घर बुलडोजर चलाने की बात को लेकर जाम पर बैठे रहे। खबर लिखे जाने तक परिजन अपने मांगों को लेकर चक्का जाम कर बैठे हुए थे

सई नदी में नहाते समय सिर में चोट लगने से आर्मी कमांड अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बंथरा। बंथरा थाना क्षेत्र में बीते दिनों सई नदी में नहाने के दौरान घायल हुए आर्मी मध्य कमान सिगनल रेजीमेंट ट्रेड ईएफएस के नायक की सोमवार को कमांड हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई।सोमवार दोपहर बाद सेना की गाड़ी से उनका शव गांव लाया गया। जहां सैन्य सम्मान के साथ ग्रामीणों की भारी भीड़ के बीच उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। बंथरा के गोड़वा गांव निवासी रविंद्र कुमार रावत (40) आर्मी में मध्य कमान सिगनल रेजीमेंट की ट्रेड ईएफएस में नायक पद पर जबलपुर में तैनात थे। बीते दिनों उनका स्थानांतरण लखनऊ कर दिया गया था। जिसके लिए वह गत दिनों अपने गांव पहुंचे और 24 मई की सुबह गांव के पास ही अपने कुछ दोस्तों के साथ सई नदी में नहाने गए थे। जहां नदी में जंप लगाने के बाद वह किसी भारी वस्तु से टकरा गए और उनके सिर में गंभीर चोट आ गई। जिससे वह पानी के अंदर ही बेहोश हो गए। जब वह बाहर नहीं निकले तो साथ के लोगों ने किसी तरह उन्हें बाहर निकाला।बाद में इलाज के लिए अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया।इसके बाद उन्हें कमांड अस्पताल रेफर कर दिया गया।कमांड हॉस्पिटल में वह लगातार कोमा में चल रहे थे। लेकिन सोमवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत होगई। इसके बाद लेफ्टिनेंट पीयूष बिष्ट सहित सेना के अन्य जवानों द्वारा सेना की गाड़ी से तिरंगे में लपेटकर उनका शव गांव पहुंचाया गया।जहां शव देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बाद में घर से करीब 1 किलोमीटर दूर गांव के बाहर उनकी पारिवारिक जमीन पर सेनानायक के शव का सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान सेनानायक के पिता जगदीश रावत, भाई महेंद्र रावत और सेना नायक के दोनों बेटों के अलावा सांसद आरके चौधरी और लेफ्टिनेंट पीयूष बिष्ट ने पुष्प चक्र अर्पित कर अंतिम विदाई दी।

साथ ही सेना के जवानों ने बैंड बाजे की धुन से सलामी देते हुए अंतिम विदाई दी। इसके बाद शव का दाह संस्कार कर दिया गया। मृतक के परिवार में पत्नी तारावती उन्नाव के औरास में प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिका है। वहीं मृतक के दो बेटे हैं। बड़ा बेटा अक्षांत उर्फ चीकू 5 वर्ष और छोटा बेटा मीकू 3 वर्ष है। बताया जाता है कि रविंद्र कुमार को 25 मई को लखनऊ में ड्यूटी ज्वाइन करनी थी, लेकिन उससे पहले ही 24 मई को नहाने के दौरान यह घटना हो गई।

बंद मकान में चोरी करने वाले 2 शातिर चोर गिरफ्तार, भारी मात्रा में सोने-चांदी के जेवर बरामद

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 48 घंटे के भीतर घटना का पर्दाफाश किया आशियाना पुलिस ने घर में घुसकर चोरी करने वाले 02 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार। दिनांक 29.05.2026 को वादी मुकदमा संतोष सिंह, निवासी गोल्डन जुबिली स्कूल सेक्टर एच एलडीए कॉलोनी आशियाना, लखनऊ, द्वारा दी गयी लिखित सूचना बंद घर में अज्ञात चोरों ने घुसकर चोरी कर ली है की सूचना पर अज्ञात के विरूद्ध पंजीकृत किया गया । घटना के अनावरण हेतु प्रभारी निरीक्षक आशियाना द्वारा टीम का गठन किया गया । सीसीटीवी फुटेज और अन्य पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर तथा अभियुक्तगणों के पास से चोरी गए माल की बरामदगी के आधार पर अभियुक्तगण 1. विशाल वर्मा पुत्र राकेश वर्मा निवासी चुनैयाखेड़ा सिसेंडी थाना निगोहा जनपद लखनऊ तथा 2.अखिल कुमार पुत्र सुनील कुमार निवासी नियर पेट्रोल पंप पकड़ी पुल थाना आशियाना लखनऊ दिनांक 31.05.2026 को समय करीब 9-40 बजे हिरासत पुलिस लिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। गिरफ्त मे आए अभियुक्त विशाल वर्मा,अखिल कुमार के पास से वारदात में इस्तेमाल एक एक्टिवा स्कूटी, भारी मात्रा में सोने-चांदी के जेवरात (अंगूठी, चैन, टॉप्स, नोज पिन, लॉकेट) और देवी-देवताओं की मूर्तियां व सिक्के भी हुए बरामद आशियाना कोतवाल छत्रपाल सिंह की पुलिस टीम उप निरीक्षक शिव प्रकाश सिंह, मनीष सिंह, प्रतीक सिंह, अभिषेक कुमार और दया शंकर यादव ने किया अभियुक्तों को गिरफ्तार।

ऑडिशन लाइन में खड़ी रही,रिजेशन झेलने के बाद भी कियारा ने किया स्ट्रगल

काम मिलना बंद हो गया था, बार-बार ऑडिशन देकर भी रिजेक्शन झेलना पड़ा... अक्सर बॉलीवुड सितारों को देखकर लगता है कि उन्हें सफलता थाली में परोस कर मिल गई होगी, लेकिन कियारा आडवाणी की कहानी इस सोच से बिल्कुल अलग है। आज कियारा भले ही इंडस्ट्री की सबसे सफल एक्ट्रेस में गिनी जाती हो, लेकिन यहां तक पहुंचने के लिए उन्हें रिजेक्शन, असफलता, मायूसी और कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। हाल ही में एक पॉडकास्ट में कियारा ने अपने करियर को लेकर खुलकर बात की। कियारा ने बताया कि लोगों को अक्सर लगता है कि उनकी पहली फिल्म कबीर सिंह या एमएस धोनी थी, क्योंकि इन्हीं फिल्मों ने उन्हें बड़ी पहचान दिलाई। मगर, असल में उनका फिल्मी सफर साल 2014 में आई फुगली से शुरू हुआ था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। इसके बाद उनके लिए बॉलीवुड में टिके रहना बेहद मुश्किल हो गया था। दरअसल, 'फुगली' के बाद अचानक कियारा को काम के ऑफर आने बंद हो गए थे। हालांकि फिल्म में उनकी एक्टिंग की तारीफ हुई थी। हालांकि यहां बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और फिल्म की सफलता को ज्यादा महत्व दिया जाता है। क्रिटिक्स की तारीफ मिलने के बावजूद उन्हें फिर से ऑडिशन की लाइनों में लगना पड़ा। कई बार महीनों तक इंतजार करना पड़ता था और यह दौर मानसिक रूप से भी काफी कठिन था। उन्होंने कहा कि उनके करियर का सबसे खराब दौर ही उनका सबसे बड़ा गुरु बना। असफलता ने उन्हें धैर्य रखना और खुद पर भरोसा करना सिखाया। यही वजह है कि आज सफलता मिलने के बाद भी वह जमीन से जुड़ी हुई हैं।

एमएस धोनी के बाद भी नहीं मिला काम दिलचस्प बात यह है कि एमएस धोनी जैसी सुपरहिट फिल्म का हिस्सा बनने के बाद भी उनकी जिंदगी अचानक नहीं बदली।

लोग सोचते थे कि इस फिल्म के बाद उन्हें लगातार बड़े ऑफर मिलने लगे होंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कियारा ने बताया कि 'धोनी' और कबीर सिंह के बीच के पांच साल उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण थे। उन्होंने लगातार ऑडिशन दिए, रिजेक्शन झेले और सिर्फ उम्मीद के भरोसे मेहनत करती रहीं। मनीष मल्होत्रा से मिला बड़ा ब्रेक भले ही कियारा के करियर में बड़ा मोड़ कबीर सिंह से आया, लेकिन इससे पहले उनके करियर में एक और खास मोड़ आया था, जिसका श्रेय मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा व फिल्ममेकर करण जौहर को जाता है। कियारा ने बताया कि भले ही उनकी फिल्म मशीन को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया था, लेकिन उसी फिल्म के गाने फ्तू चीज बड़ी है मस्त मस्तफ्र में उन्हें देखकर मनीष मल्होत्रा इम्प्रेस हो गए थे। बाद में उन्होंने करण जौहर से कियारा के बारे में बात की। इसी वजह से उन्हें लस्ट स्टोरीज में काम करने का मौका मिला। यह प्रोजेक्ट उनके करियर का अहम टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। आज कियारा आडवाणी सिर्फ एक सफल एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि संघर्ष और धैर्य की मिसाल भी बन चुकी हैं। उन्होंने साबित किया कि असफलता अंत नहीं होती, बल्कि सफलता तक पहुंचने का एक जरूरी पड़ाव होती है। काम की बात करें तो कियारा हाल ही में अपने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ अपने पहले बच्चे के जन्म के बाद काम पर लौटी हैं। अब वह जल्द ही यश के साथ फिल्म ज्वझ्पबरू । थ्यतल ज्ंसम वित ळतवूद-नचे में नजर आएंगी। बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा मदरहुड जर्नी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में उन्होंने पहली बार मां बनने के अनुभव को खुलकर साझा किया। साल 2025 में बेटी को जन्म देने के बाद कियारा की जिंदगी पूरी तरह बदल गई है। कियारा ने बताया कि बेटी के आने के बाद उनकी प्राथमिकताएं अब अलग हैं।

उनकी दुनिया अपनी 'लिटिल प्रिंसेस' के इर्द-गिर्द घूमती है। कियारा ने कहा कि मां बनने का एहसास बेहद भावुक करने वाला है। शुरुआती दिनों में नई जिम्मेदारियों को संभालना आसान नहीं था, लेकिन हर दिन अपनी बेटी के साथ बिताया गया समय उन्हें नई खुशियां देता है। वहीं पति सिद्धार्थ मल्होत्रा भी इस नए सफर में उनका पूरा साथ दे रहे हैं। दोनों अपनी बेटी के साथ हर छोटे-बड़े पल को यादगार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। नीट यूजी का पेपर लीक, परीक्षा रद्द, सीबीआई करेगी जांच कियारा ने कहा कि मुझे लगता है कि सब लोग बच्चे के बारे में ही ज्यादा सोचते हैं। बच्चा सो रहा है, ठीक है। डायपर बदलना है या उसे नहलाना और मालिश करना है।

आगे बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि पोस्टपार्टम के शुरुआती दिनों में छोटी-छोटी बातें भी उन्हें रुला देती थीं। उस वक्त, मुझे नहीं पता था कि क्या मैं बस सिद्धार्थ को मिस कर रही थी या कुछ और। मैं एक ऐसे दौर से गुजर रही थी जहां हर छोटी चीज मुझे ट्रिगर कर रही थी। आप कोई ऐसी बात कह दें जिस पर आज हम शायद हंसें, लेकिन उन शुरुआती दिनों में किसी भी बात पर बस... मेरे आंसू निकल जाते थे। बता दें कि कियारा आडवाणी ने बेहद कम समय में बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनका असली नाम आलिया आडवाणी है, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले उन्होंने अपना नाम बदल लिया। कियारा ने साल 2014 में फिल्म फगली से बॉलीवुड में कदम रखा। हालांकि उन्हें असली पहचान 2016 में आई फिल्म एम.एस. धोनीरू द अनटोल्ड स्टोरी से मिली।

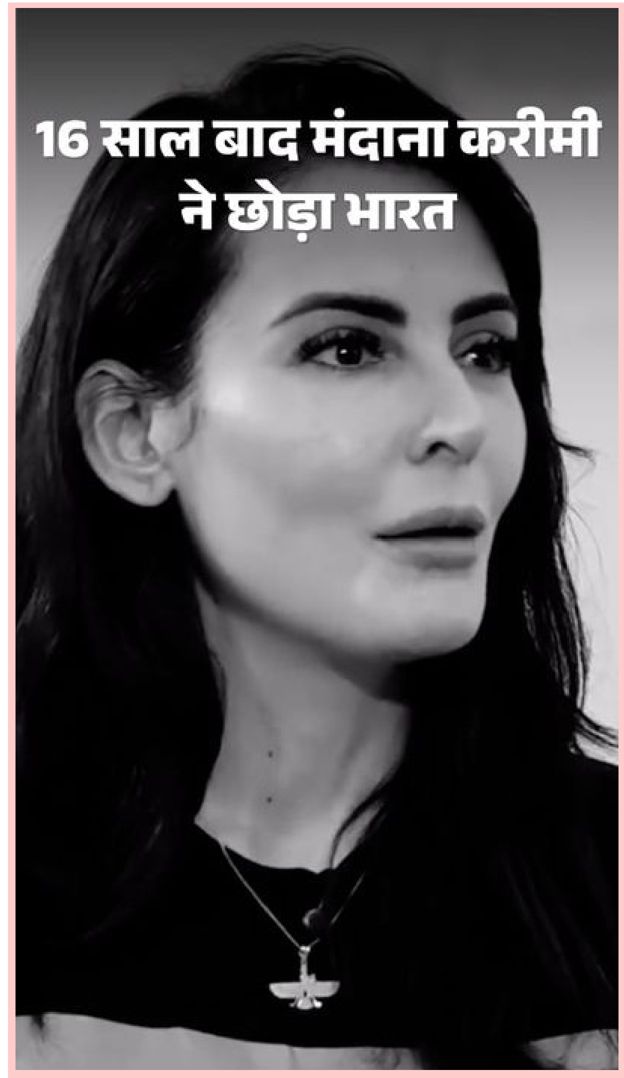

शिबग बॉस 9श् और श्लॉकअपश् फेम एक्ट्रेस मंदाना करीमी ने आखिरकार भारत छोड़ दिया है। 16 साल तक हिंदुस्तान में रहने के बाद उन्होंने एक इमोशनल वीडियो शेयर कर देश को अलविदा कहा। मंदाना ने भारत को अपना श्दूसरा घरश् बताया था, लेकिन पिछले कुछ समय से वे अपनी सुरक्षा और बेबाक बयानी की वजह से लगातार विवादों और सुर्खियों में बनी हुई थीं। एयरपोर्ट से शेयर किया इमोशनल वीडियो मंदाना ने इंस्टाग्राम पर श्आस्क मी एनीथिंगश् सेशन के दौरान फैंस को यह खबर दी। एक फैन ने उनसे पूछा था कि क्या उन्होंने मुंबई हमेशा के लिए छोड़ दिया है? इसके जवाब में मंदाना ने एयरपोर्ट से एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने कहा, ष्मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं ऐसा कह पाऊंगी, लेकिन अलविदा भारत। यह मुश्किल होने वाला है। लगभग 16 साल यहां बिताने के बाद मैं अपने दूसरे घर को पीछे छोड़ रही हूं। अब एक नई शुरुआत की ओर बढ़ रही हूं, नया देश, नया घर, सब कुछ नया।ष् पहले कहा था भारत ने मुझे धोखा दिया एक्ट्रेस ने भारत छोड़ने की मुख्य वजह अपनी सुरक्षा को बताया है। इससे पहले बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में मंदाना ने अपना दर्द साझा करते हुए कहा, पिछले दो महीनों में मुझे मुंबई में बहुत अकेलापन महसूस हुआ। ईरान के हक में बोलने और विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लेने की वजह से मैंने अपने कई पुराने दोस्त खो दिए। मुझे महसूस हो रहा है कि भारत ने एक तरह से मुझे धोखा दिया है। उन्होंने यह भी साफ किया कि वे ईरान भी वापस नहीं जा सकतीं, क्योंकि वहां उन पर 10 साल पहले ही बैन लगा दिया गया था। खामेनेई की मौत पर जश्ध्न और विवाद मंदाना करीमी पिछले दिनों तब चर्चा में आई थीं, जब उन्होंने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर खुशी जताई थी। उन्होंने दावा किया था कि खामेनेई ने ईरान के लोगों पर बहुत अत्याचार किए हैं। मंदाना ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें अपने एक्टिविज्म के लिए भारत में किसी का सपोर्ट नहीं मिला। मॉडलिंग से शुरू हुआ था मंदाना का करियर मंदाना करीमी का जन्म तेहरान में हुआ था। वह 2010 में पहली बार मॉडलिंग के लिए भारत आई थीं और 2013 से मुंबई में ही बस गईं। उन्होंने श्क्या कूल हैं हम 3श्, श्मैं और चार्ल्सश् और श्भाग जॉनीश् जैसी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा शिबग बॉसश् और श्लॉकअपश् जैसे रियलिटी शोज से उन्हें पहचान मिली। इसके बाद मंदाना ने साल 2017 में भारतीय बिजनेसमैन गौरव गुप्ता से शादी की, लेकिन यह रिश्ता लंबा नहीं चला। 2021 में उनका तलाक हो गया। मंदाना ने अपने पति और ससुराल वालों पर घरेलू हिंसा और धर्म परिवर्तन के दबाव जैसे गंभीर आरोप लगाए थे।

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 से बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट का लुक सामने आ गया है. इस फेस्टिवल में ये उनका दूसरा अपीयरेंस है. इस बार उन्होंने पेस्टल पिंक गाउन में ऐसा ग्लैमरस लुक पेश किया, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया. उनका ये बार्बी-इंस्पायर्ड अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं. आलिया भट्ट कान्स 2026 के रेड कार्पेट पर स्ट्रैपलेस पेस्टल पिंक कलर का गाउन पहनकर पहुंचीं, जिसकी फिटेड सिल्हूट उनके लुक को बेहद ग्रेसफुल बना रही है. आलिया के इस गाउन का स्वीटहार्ट नेकलाइन डिजाइन और फ्रंट कट डिटेल आउटफिट को मॉडर्न रेड-कार्पेट टच दे रहा है. गाउन के साथ जुड़ा लंबा फ्लोई ट्रेल उनके लुक को रॉयल और स्टाइलिश टच दे रहा है, जो रेड कार्पेट पर काफी आकर्षक लग रहा है. इस लुक में आलिया का एलीगेंट और ग्लैमरस अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है. उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. आलिया भट्ट ने अपने बालों को सॉफ्ट वेवी लुक में ओपन रखा है. बीच से हल्के पार्टिंग के साथ उनके ब्राउन टोन बाल चेहरे पर काफी नैचुरल और फ्रेश लग रहे हैं. आलिया ने अपने लुक को मिनिमल मेकअप के साथ कंप्लीट किया है. ड्यूई बेस, सॉफ्ट पिंक ब्लश और न्यूड-पिंक लिप शेड ने उनके चेहरे पर नैचुरल ग्लो दिया. ज्वैलरी की बात करें तो आलिया ने पिंक स्टोन्स और डायमंड डिटेलिंग वाला स्टेटमेंट नेकलेस पहना, जो उनके आउटफिट के साथ खूबसूरती से मैच कर रहा है. नेकपीस का विंटेज-रॉयल डिजाइन पूरे लुक का सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बना. इसके साथ उन्होंने मिनिमल एक्सेसरीज रखीं ताकि पूरा फोकस गाउन और नेकलेस पर बना रहे. आलिया भट्ट ने अपने इस पेस्टल पिंक लुक में बिल्कुल बार्बी अवतार वाली वाइब दी. रेड कार्पेट पर उनका ग्लैमरस अंदाज और खूबसूरत अदाएं हर किसी का ध्यान खींच रही थीं. आलिया का ये रॉयल अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है. उन्होंने एक से बढ़कर एक पोज दिए. उनकी हर तस्वीर में कॉन्फिडेंस और ग्रेस साफ नजर आ रहा है.

हिन्दी दैनिक तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित

पुराने जमाने का फुटबॉल पड़ा भारी

यूरोपीय क्लब फुटबॉल के सबसे बड़े मुकाबले में पेरिस सेंट जर्मेन के हाथों मिली हार के बाद आर्सेनल की रणनीति पर जोरदार सवाल उठने लगे हैं। बुडापेस्ट में खेले गए चैंपियंस लीग 2025-26 फाइनल में आर्सेनल को पेनल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद टीम के रक्षात्मक रवैये को लेकर विशेषज्ञों ने कड़ी आलोचना की है। मौजूद जानकारी के अनुसार मुकाबले की शुरुआत में आर्सेनल ने शानदार खेल दिखाते हुए छठे मिनट में काई हैवर्ट्ज के गोल से बढ़त हासिल की थी। लेकिन इसके बाद मैच का रुख बदल गया और पेरिस सेंट जर्मेन ने दूसरे हाफमें पेनल्टी के जरिए बराबरी कर ली। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय में दोनों टीमें 1-1 से बराबर रहीं, जिसके बाद फैसला पेनल्टी शूटआउट में हुआ और पेरिस सेंट जर्मेन ने लगातार दूसरी बार खिताब जीत लिया। गौरतलब है कि इस पूरे मुकाबले में आर्सेनल का खेल बेहद रक्षात्मक रहा, जिसने फुटबॉल विशेषज्ञों को हैरान कर दिया। आंकड़ों के मुताबिक आर्सेनल ने फाइनल में सिर्फ24.7 प्रतिशत गेंद पर कब्जा रखा, जो चैंपियंस लीग फाइनल के इतिहास में सबसे कम में से एक है। पूर्व चेल्सी मिडफील्डर क्रेग बर्ली ने आर्सेनल की रणनीति पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि टीम ने शुरुआती बढ़त लेने के बाद पूरी तरह रक्षात्मक रवैया अपना लिया, जो बड़े मुकाबलों में सही नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि यदि पेरिस सेंट जर्मेन ने शुरुआत में गोल किया होता तो वे लगातार आक्रमण करते रहते, लेकिन आर्सेनल ने खेल को बचाने की कोशिश की। बर्ली ने आगे कहा कि आर्सेनल का खेल पुराने जमाने की रक्षात्मक शैली जैसा दिखा, जहां टीम ने लंबे समय तक गेंद को आगे की ओर केवल लंबा पास देकर खेल को सरल बनाने की कोशिश की, जिसे उन्होंने आधुनिक फुटबॉल के खिलाफ बताया। बता दें कि पूर्व आर्सेनल खिलाड़ी सैमी नासरी ने भी मैच के बाद प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पहले हाफमें समय बर्बाद करने की कोशिश का असर दूसरे हाफमें दिखा, जहां रेफरी के फैसले लगातार आर्सेनल के खिलाफजाते नजर आए। मुकाबले के अतिरिक्त समय में एक विवादित स्थिति भी देखने को मिली, जब आर्सेनल के खिलाफपेनल्टी क्षेत्र में संभावित फाउल पर वीडियो सहायक रेफरल प्रणाली का उपयोग नहीं किया गया। इस फैसले से टीम के मैनेजर मिकेल आर्टेटा नाराज नजर आए और उन्हें पीला कार्ड भी दिखाया गया। हालांकि आर्सेनल ने पूरे मैच में रक्षात्मक मजबूती बनाए रखी और मुकाबले को पेनल्टी तक ले जाने में सफल रही। लेकिन पेनल्टी शूटआउट में गैब्रियल मागाल्हैस का चूक जाना टीम के लिए निर्णायक साबित हुआ और पेरिस सेंट जर्मेन ने खिताब अपने नाम कर लिया। इस हार के बाद आर्सेनल की रणनीति पर गंभीर बहस शुरू हो गई है ।

जश्न के दौरान भड़की हिंसा

पेरिस सेंट जर्मेन की ऐतिहासिक जीत का जश्न फ्रांस में कई जगहों पर हिंसा और अराजकता में बदल गया। यूरोपीय क्लब फुटबॉल का सबसे बड़ा खिताब जीतने के बाद जहां लाखों प्रशंसक सड़कों पर उतरकर खुशी मना रहे थे, वहीं कई इलाकों में पुलिस और समर्थकों के बीच झड़पें भी देखने को मिलीं। मौजूद जानकारी के अनुसार पेरिस सेंट जर्मेन की जीत के बाद पूरे फ्रांस में 400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। फ्रांसीसी गृह मंत्रालय ने बताया कि कुल 416 लोगों को हिरासत में लिया गया, जिनमें से 283 गिरफ्तारियां राजधानी पेरिस में हुई। गौरतलब है कि बुडापेस्ट में खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबले में पेरिस सेंट जर्मेन ने पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल को हराकर लगातार दूसरी बार यूरोप का सबसे प्रतिष्ठित क्लब खिताब अपने नाम किया था। जीत के बाद देशभर में उत्सव का माहौल बन गया, लेकिन कुछ स्थानों पर हालात बिगड़ गए। फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि हिंसा के दौरान सात पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। उन्होंने इस तरह की घटनाओं को पूरी तरह अस्वीकार्य बताया और कहा कि उत्सव के नाम पर हिंसा को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। बता दें कि संभावित अशांति को देखते हुए फ्रांसीसी प्रशासन ने पहले से ही बड़े पैमाने पर सुरक्षा व्यवस्था की थी। पूरे देश में लगभग 22 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी, जिनमें से 8 हजार केवल पेरिस में मौजूद थे। इसके अलावा कई मेट्रो स्टेशन, ट्राम सेवाएं और बस मार्ग भी अस्थायी रूप से बंद किए गए थे। मौजूद जानकारी के अनुसार जीत के बाद करीब 20 हजार समर्थक शॉप्स एलिसे क्षेत्र में एकत्र हो गए। इस दौरान कई स्थानों पर तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आईं।

आप इस ड्रेसिंग रूम की धड़कन हैं

एंडी फ्लावर ने विराट कोहली की तारीफमें पढ़े कसीदे, जमकर सराहा

अहमदाबाद। विराट कोहली ने गुजरात के खिलाफ आईपीएल 2026 के फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। आरसीबी लगातार दूसरी बार खिताब जीतने में सफल रही। अब कोच एंडी फ्लावर ने कोहली की जमकर प्रशंसा की है और उन्हें आरसीबी के ड्रेसिंग रूम की धड़कन बताया है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल 2026 में मिली खिताबी जीत के बाद रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने विराट कोहली को जमकर सराहा है। कोहली ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में नाबाद 75 रन बनाए और अपनी टीम को लगातार दूसरी बार ट्रॉफी दिलाने में अहम भूमिका निभाई। आरसीबी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें जीत के बाद खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में बैठे हैं और कोच फ्लावर सभी को संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान फ्लावर ने कोहली को लिए आरसीबी के ड्रेसिंग रूम की धड़कन बताया। अंत तक टिके रहे कोहली गुजरात के खिलाफलक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी के लिए कोहली के साथ वेंकटेश अय्यर पारी की शुरुआत करने उतरे। वेंकटेश इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे थे। इन दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से खेलना शुरू किया और गुजरात के गेंदबाजों पर दबाव बनाया। वेंकटेश और कोहली के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हुई, लेकिन पांचवें ओवर में मोहम्मद सिराज ने वेंकटेश को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। वेंकटेश 16 गेंदों पर 32 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल (1), कप्तान रजत पाटीदार (15) और क्रुणाल पांड्या (1) के विकेट गंवाए। आरसीबी ने 91 के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिए थे और लग रहा था कि यहां से गुजरात मैच फंसा सकती है, लेकिन सामने कोहली खड़े थे और उन्होंने गुजरात के गेंदबाजों का बेहतरीन तरीके से सामना किया। कोहली 42 गेंदों पर नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 75 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि जितेश शर्मा 11 रन बनाकर नाबाद लौटे। आरसीबी के खिलाड़ियों की तारीफ की जीत के बाद फ्लावर ने कहा, विराट मुझे पता है कि आप पर बहुत ध्यान दिया जाता है और यह सही भी है। मैं इसे कम करके नहीं आंकना चाहता क्योंकि आप इस ड्रेसिंग रूम की धड़कन हैं। आपने मैदान पर उतरकर बेहतरीन विपक्षी टीम का सामना किया। आप मैदान पर जो साहस दिखाते हैं वो हम सभी के लिए आदर्श है और मैं आप सभी के बारे में यही कहूंगा। फ्लावर ने कहा, जब भी इस सीजन के बारे में सोचता हूं, विशेषकर प्लेऑफके मैचों के बारे में तो जो बात सबसे ज्यादा मेरा ध्यान खींचती है वो मैदान पर आप लोगों का निडर रवैया है। जब आप शीर्ष स्तर पर खेल रहे होते हैं चाहे टेस्ट क्रिकेट हो या विश्व कप तो आपको निश्चित रूप से बहुत कुशल होना चाहिए, आपके पास क्रिकेट की समझ होने के साथ ही दिल भी होना चाहिए। हमने इस साल यह बखूबी देखा है। आप लोगों में से कई खिलाड़ियों ने इसका उदाहरण भी दिया है। भुवनेश्वर-क्रुणाल के लिए क्या बोले कोच? भुवनेश्वर कुमार की सराहना करते हुए कोच ने कहा, भुवी जिस तरह से आपने इस सीजन गेंदबाजी का नेतृत्व किया। आपने कौशल के साथ बड़ी चतुराई से गेंदबाजी की। आप ऐसा करते आ रहे हैं।

रिकॉर्ड्स की झड़ी : लगातार चौथे सीजन में 600 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने कोहली, अपना सबसे तेज पचासा लगाया

अहमदाबाद। आरसीबी के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल 2026 के फाइनल में दमदार प्रदर्शन किया। कोहली ने गुजरात के खिलाफ नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली और टीम को दोबारा खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। आइए जानते हैं कोहली ने इस दौरान क्या रिकॉर्ड्स बनाए... रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के खिताब को अपने नाम किया। आरसीबी ने फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस (जीटी) को पांच विकेट से हराया। फाइनल मैच में आरसीबी की जीत के नायक विराट कोहली रहे। कोहली ने 42 गेंदों में नाबाद 75 रनों की दमदार पारी खेली और टीम को लगातार दूसरी बार चौंपियन बनाने में अहम किरदार निभाया। कोहली ने इस पारी के दौरान कई बड़े रिकॉर्ड्स भी अपने नाम किए। 25 गेंदों पर पूरा किया अर्धशतक विराट कोहली ने अपने आईपीएल करियर का सबसे तेज अर्धशतक गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल मुकाबले में लगाया। कोहली ने अपना अर्धशतक सिर्फ25 गेंदों में पूरा किया। यह आईपीएल के फाइनल मुकाबले में संयुक्त रूप से दूसरा सबसे तेज अर्धशतक भी रहा। कोहली ने 75 रनों की नाबाद पारी में नौ चौके और तीन छक्के लगाए। विराट का प्रदर्शन इस पूरे सीजन शानदार रहा और वह आरसीबी की तरफ से आईपीएल 2026 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। इस सीजन सर्वाधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज कोहली ने इस सीजन 16 मुकाबलों में 165 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 675 रन बनाए। कोहली लगातार चार सीजन में 600 से अधिक रन बनाने वाले आईपीएल इतिहास के पहले बल्लेबाज बने। विराट को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए श्मैन ऑफद मैचश् भी चुना गया। विराट ने आईपीएल फाइनल में मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। उन्होंने यह अवॉर्ड 37 साल 207 दिन की उम्र में जीता। विराट कोहली ने आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा के खिलाफ कुल 82 रन बनाए, जो आईपीएल के एक सीजन में किसी भी बल्लेबाज द्वारा किसी गेंदबाज के खिलाफ बनाए गए सर्वाधिक रन हैं। विराट ने फाइनल मुकाबले में वेंकटेश अय्यर के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए सिर्फ 27 गेंदों में 62 रन जोड़े। कोहली की आतिशी बल्लेबाजी के दम पर आरसीबी टीम ने अपने 50 रन सिर्फ3.3 ओवर में पूरे किए, जो आईपीएल फाइनल का अब तक का सबसे तेज टीम अर्धशतक भी है। कोहली ने छक्का लगाकर दिलाई जीत फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस से मिले 156 रनों के लक्ष्य को सिर्फ 18 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। कोहली ने 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर अरशद खान के खिलाफ यादगार छक्का लगाकर आरसीबी को दूसरी बार चौंपियन बनाया। आरसीबी आईपीएल में खिताब का बचाव करने वाली महज तीसरी टीम बनी। आरसीबी से पहले यह मुकाम सिर्फ चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस ने हासिल किया है।

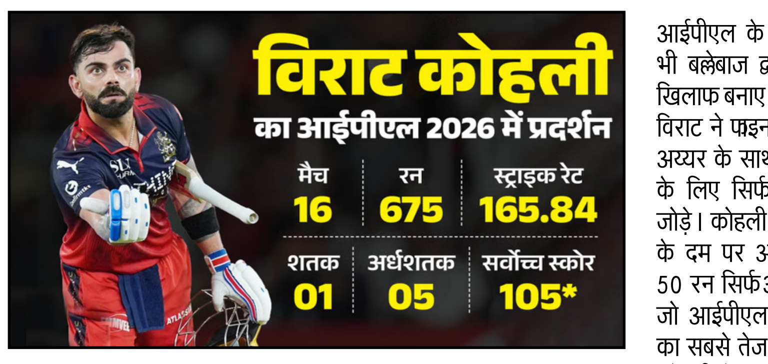

हम टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम हैं

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 जीतने के बाद आरसीबी खिलाड़ियों ने टीम की सफलता के राज साझा किए। विराट कोहली ने आत्मविश्वास और टीम संतुलन को जीत की कुंजी बताया, जबकि जितेश शर्मा ने आक्रामक सोच पर जोर दिया। भुवनेश्वर, हेजलवुड, पडिक्कल और क्रुणाल ने टीम संस्कृति, रणनीति और एकजुटता की सराहना की। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 का खिताब जीतकर लगातार दूसरी बार चौंपियन बनने का गौरव हासिल किया। फाइनल में गुजरात टाइटंस को हराने के बाद खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफके बयानों से साफ झलक रहा था कि यह सफलता केवल प्रतिभा का नहीं, बल्कि मजबूत टीम संस्कृति, स्पष्ट सोच और बेहतरीन तैयारी का परिणाम थी। सबसे पहले विराट कोहली ने उस विश्वास का जिक्र किया, जिसने पूरी टीम को पूरे सीजन आगे बढ़ाया। कोहली ने कहा, श्मैंने कुछ खिलाड़ियों से कहा था कि इस बार पिछले साल जैसा दबाव महसूस नहीं हो रहा। हमें पता था कि हमारी टीम में कितनी क्षमता है। हमने लीग चरण में शीर्ष स्थान हासिल किया था और इसकी एक वजह थी। हमने सिर्फएक बात कही थी कि अगर हम अपनी क्रिकेट खेलें और अपनी योजनाओं को सही तरीके से लागू करें, तो हम इस प्रतियोगिता की सबसे बेहतरीन टीम हैं। आज फिर खिलाड़ियों का कौशल, उनकी परिपक्वता और संयम दिखा और यह एक पेशेवर प्रदर्शन था।श् कठिन दौर में भी नहीं टूटा विश्वास कोहली ने माना कि सीजन के बीच में टीम को कुछ मुश्किल मुकाबलों का सामना करना पड़ा था, लेकिन खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास नहीं खोया। उन्होंने कहा, श्सच कहूं तो ब्रेक के बाद हमें एक हार मिली थी और मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक करीबी मुकाबला जीता था। वह सप्ताह हमारे लिए थोड़ा चुनौतीपूर्ण था क्योंकि हम शीर्ष स्थान पर रहना चाहते थे। लेकिन जैसे ही हमने मुंबई के खिलाफजीत दर्ज की, विश्वास वापस आ गया। उसके बाद हमने कोलकाता के खिलाफशानदार जीत हासिल की और फिर फाइनल तक का सफर तय किया।श् टीम की गहराई पर बात करते हुए

अर्थ जगत

भारत में मई में बढ़ा कारोबार, तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंचा ग्रोथ रेट, उत्पादन और ऑर्डर दोनों बढ़े

नई दिल्ली। मजबूत घरेलू मांग, इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं और नए ऑर्डरों के दम पर भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की गतिविधियां मई में तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग च्डप् बढ़कर 55.0 हो गया, जो अप्रैल में 54.7 था। भारत के विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र में मई के दौरान गतिविधियों की रफ्तार तेज हुई और यह तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। मजबूत घरेलू मांग, इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में तेजी और नए कारोबार के बढ़ने से उत्पादन गतिविधियों को मजबूती मिली। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण बढ़ती महंगाई और लागत दबाव उद्योग के लिए चुनौती बने हुए हैं। सोमवार को जारी एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (च्डप्) के अनुसार, मई में सूचकांक बढ़कर 55.0 पर पहुंच गया, जो अप्रैल में 54.7 था। यह पिछले तीन महीनों में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की सबसे मजबूत वृद्धि को दर्शाता है। पीएमआई 50 के स्तर से ऊपर होने पर क्षेत्र में विस्तार और 50 से नीचे रहने पर संकुचन का संकेत देता है। यह सूचकांक नए ऑर्डर, उत्पादन, रोजगार, आपूर्ति समय और खरीद स्टॉक जैसे प्रमुख संकेतकों के आधार पर तैयार किया जाता है। सर्वेक्षण के अनुसार, मई में नए ऑर्डर और उत्पादन दोनों में फरवरी के बाद सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। कंपनियों ने इसके पीछे मजबूत मांग, इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं से मिलने वाले ऑर्डर और नए कारोबार को प्रमुख कारण बताया। क्या है विशेषज्ञों की राय? एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि मई के आंकड़े संकेत देते हैं कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कंपनियां एहतियात के तौर पर अतिरिक्त स्टॉक जमा कर रही हैं। उत्पादन वृद्धि तेज हुई है, वहीं खरीद गतिविधियों और तैयार माल के भंडार में भी तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सर्वेक्षण में क्या आया सामने? सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि को मुख्य रूप से घरेलू बाजार से समर्थन मिला, जबकि निर्यात ऑर्डरों में वृद्धि हुई, लेकिन उसकी रफ्तार अपेक्षाकृत धीमी रही। दूसरी ओर, ऊर्जा, ईंधन, कच्चे माल और परिवहन लागत बढ़ने से कंपनियों पर लागत का दबाव बना रहा। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का असर लागत पर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। हालांकि, इनपुट लागत मुद्रास्फीति में अप्रैल की तुलना में थोड़ी नरमी आई

बदल गया है आयकर रिटर्न फॉर्म- जल्दबाजी में सबमिट किया तो आ सकता है नोटिस, जानें दाखिल करने से पहले की चेकलिस्ट

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर फॉर्म्स में बड़े बदलाव किए गए हैं, जिसमें प्ज्त्-1 और प्ज्त्-4 का दायरा बढ़ाने के साथ ही बैंक बैलेंस की जानकारी और न मिले किराए का कॉलम अनिवार्य किया गया है। अब आधार नामांकन आईडी की जगह केवल वास्तविक आधार नंबर ही मान्य होगा और पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत डिडक्शन क्लेम करने के नियम कड़े कर दिए गए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न भरने की शुरुआत हो चुकी है। लेकिन ठहरिए! नए आयकर कानून के पूर्ण क्रियान्वयन के साथ इस बार फॉर्म्स के भीतर ऐसे गहरे बदलाव किए गए हैं, जिन्हें समझे बिना अगर आपने जल्दबाजी में सबमिट का बटन दबाया, तो आयकर नोटिस आना लगभग तय है। आयकर रिटर्न फॉर्म में हुए बदलावों का उद्देश्य टैक्स रिपोर्टिंग को डाटा-संचालित, मानकीकृत और मिलान करने में आसान बनाना है। लीजिए, साल का वह वक्त फिर आ गया है, जब आपको अपनी जेब, बैंक स्टेटमेंट्स और कमाई का पूरा हिसाब-किताब एक जगह समेट कर बैठना होगा। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न भरने का बिगुल बज चुका है! लेकिन रुकिए! इस बार की टैक्स फाइलिंग कोई रूटीन कागजी कार्रवाई नहीं है। नए आयकर कानून के पूरी तरह जमीन पर उतरने के साथ ही इस बार रिटर्न फॉर्म्स के भीतर कई बड़े बदलाव और नए चक्रव्यूह तैयार किए गए हैं। अगर आप भी अपनी गाढ़ी कमाई पर टैक्स बचाना चाहते हैं, पेनाल्टी व नोटिस के झंझटों से दूर रहना चाहते हैं, तो फॉर्म पर सीधे हाथ लगाने से पहले इस बार बदले हुए नियमों को अच्छी तरह से समझना जरूरी है। प्ज्त्-1 का दायरा बढ़ा पहले यदि आपके पास एक से अधिक मकान से किराये की आय होती थी, तो आप सीधे बड़े फॉर्म्स के चक्कर में फंस जाते थे। अब सरकार ने प्ज्त्-1 और प्ज्त्-4 दोनों का दायरा बढ़ा दिया है। अब दो मकानों से आय रखने वाले करदाता भी इन सरल फॉर्म्स के जरिये अपना टैक्स भर सकते हैं। जो किराया नहीं मिला उसका नया कॉलम यह वह किराया है जो मकान मालिक को मिलना था, पर किरायेदार ने दिया नहीं। प्ज्त्-1 और प्ज्त्-4 दोनों में एक नया स्पेशल कॉलम जोड़ा गया है, ताकि आपको न मिले हुए पैसे पर टैक्स न देना पड़े। प्ज्त्-4 में बैंक बैलेंस बताना जरूरी छोटे व्यापारियों, फ्रीलांसर्स और कंसल्टेंट्स के लिए भरा जाने वाला आईटीआर-4 (सुगम) इस बार काफी सख्त और विस्तृत हो गया है। वित्तीय विवरणों के कॉलम में अब तक बैंक खाते का बैलेंस बताना वैकल्पिक था। इस बार इसे अनिवार्य कर दिया गया है। इसके साथ ही संपत्तियों वाले हिस्से में आपके निवेश को पूछने के लिए भी नया फील्ड जोड़ा गया है। अब तक जो लोग आधार कार्ड न होने पर आधार नामांकन आईडी का इस्तेमाल कर लेते थे, उनके लिए रास्ते बंद हो चुके हैं। अब सिर्फ वास्तविक आधार नंबर ही स्वीकार किया जाएगा। इस फॉर्म में अब आप धारा 112। के तहत 1.25 लाख रुपये तक के शेयर या म्यूचुअल फंड के लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन्स को घोषित कर सकते हैं, बशर्ते आपका कोई पुराना कैपिटल लॉस आगे कैरी-फॉरवर्ड न हो रहा हो। पुरानी टैक्स व्यवस्था को हतोत्साहित करने का नया जाल अगर आप अब भी पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत डिडक्शन का क्लेम करके टैक्स बचाना चाहते हैं, तो विभाग ने आपके लिए नियम और कड़े कर दिए हैं। अब ई-फाइलिंग पोर्टल पर धारा 80ब् से 80न् तक की कटौतियों को आप सीधे हाथ से टाइप नहीं कर पाएंगे। इसके लिए बाकायदा एक ड्रॉप-डाउन मेन्यू दिया गया है, जहां से आपको सटीक क्लॉज और उप-धारा को चुनना होगा। धारा 89। के तहत विदेशी रिटायरमेंट खातों पर मिलने वाली दोहरे कराधान की राहत को अब प्ज्त्-1 और प्ज्त्-4 से पूरी तरह हटा दिया गया है। इस राहत का दावा अब प्ज्त्-2 और प्ज्त्-3 के जरिये ही संभव होगा। किसके लिए कौन सा फॉर्म?

शेयर बाजार में हरियाली, सेंसेक्स 200 अंक चढ़ा, निफ्टी 23600 के पार

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच 60 दिनों के युद्धविराम की खबरों के बाद वैश्विक बाजार में सकारात्मक बदलाव आया है, जिससे भू-राजनीतिक तनाव कम होने और होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के सुचारू रूप से आवागमन की उम्मीदें बढ़ी हैं। शेयर बाजार में क्या चल रहा है, आइए जानिए। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 206.16 अंक चढ़कर 74,981.90 पर पहुंच गयाय निफ्टी 42.65 अंक बढ़कर 23,604.80 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान के बीच 60 दिनों के युद्धविराम की खबरों के बाद वैश्विक बाजार में सकारात्मक बदलाव आया है, जिससे भू-राजनीतिक तनाव कम होने और होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के सुचारू रूप से आवागमन की उम्मीदें बढ़ी हैं। सकारात्मक माहौल के बावजूद, घरेलू और वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निवेशक सतर्क रहने की संभावना है। शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 9 पैसे गिरकर 94.94 पर आ गया। अब जानते हैं बाजार का हाल विस्तार से शुक्रवार के कारोबारी सत्र में हुई भारी गिरावट के बाद, सोमवार को भारतीय शेयर बाजार ने शानदार वापसी की है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांकों में 0.5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। बाजार में उतार-चढ़ाव को मापने वाला इंडेक्स श्इंडिया टप्ग्श् भी 3 प्रतिशत से अधिक गिरकर 15.64 पर आ गया है, जो बाजार में घबराहट कम होने और स्थिरता लौटने का साफ संकेत देता है। बाजार के मुख्य आंकड़े सोमवार के कारोबारी सत्र में दलाल स्ट्रीट का रुख सकारात्मक रहा। बाजार की चाल को इन अहम बिंदुओं से समझा जा सकता हैरू टॉप गेनर्स और लूजसर्रू चौथी तिमाही के शानदार नतीजों के बाद एविएशन कंपनी इंडिगो के शेयरों में 4.5ः से ज्यादा का भारी उछाल आया। इसके अलावा इंफोसिस, एशियन पेंट्स, टीसीएस, टेक महिंद्रा और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी 1 से 3ः की तेजी दर्ज की गई। इसके विपरीत, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में लगभग 1ः की गिरावट देखी गई। सेक्टोरल असररू निफ्टी आईटी इंडेक्स ने 2ः से ज्यादा की छलांग लगाकर बाजार को लीड किया। वहीं दूसरी ओर, एफएमसीजी (थ्डब्ळ) और प्राइवेट बैंक इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट की स्थितिरू मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी निवेशकों की अच्छी दिलचस्पी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.5ः से अधिक और स्मॉलकैप 100 में 0.8ः की बढ़त देखी गई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कुल 1,823 शेयरों में तेजी आई, 841 में गिरावट रही और 125 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। विदेशी बिकवाली और एक्सपर्ट्स का नजरिया बाजार में इस रिकवरी के बावजूद विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की तरफसे बिकवाली का भारी दबाव बना हुआ है। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी बाजार से 21,105.86 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की, जो मई महीने में किसी एक दिन की सबसे बड़ी निकासी है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार के अनुसार, लार्जकैप शेयरों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लगातार बिकवाली और मिड-स्मॉलकैप के बेहतर नतीजों के कारण दोनों के वैल्यूएशन में एक बड़ा गैप बन गया है। उनका कहना है कि लार्जकैप शेयर अब सही वैल्युएशन पर हैं और बैंकिंग जैसे सेगमेंट काफी आकर्षक नजर आ रहे हैं, हालांकि यह निवेशकों के धैर्य की कड़ी परीक्षा लेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शुक्रवार को बाजार में जो 1.5ः की बड़ी गिरावट आई थी, उसका मुख्य कारण श्एमएससीआई रीबैलेंसिंगश् था, इसे कोई लॉन्ग-टर्म ट्रेंड नहीं माना जाना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।